आज का विचार
मूर्ख व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी से होती है, और एक बुद्धिमान व्यक्ति की पहचान उसके मौन से।

दैनिक
शुभ अस्तित्व
MPHIN/2018/77010
एक नए युग के अस्तित्व के साथ

वर्ष 08, अंक-143 www.shubhastitv.com भोपाल, शनिवार 09 मई 2026 मूल्यः 3.00 पृष्ठः08

सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण से सशक्त हो रहा प्रदेश का गौरव : मुख्यमंत्री

देवबड़ला और आशापुरी बने ऐतिहासिक पुनरुद्धार के मॉडल, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरें भावी पीढ़ियों को समृद्ध अतीत से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण न केवल हमारी विरासत को सुरक्षित रख रहा है, बल्कि सांस्कृतिक पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ÷विरासत भी-विकास भी÷ के संकल्प के तहत प्रदेश की धरोहरों के संरक्षण और पुनरुद्धार का कार्य तेजी से कर रही है। वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से मंदिरों और ऐतिहासिक अवशेषों को उनके मूल स्वरूप में पुनर्स्थापित किया जा रहा है।

सीहोर जिले के देवबड़ला और रायसेन जिले के आशापुरी को पुरातात्विक पुनरुद्धार के उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां खंडित मंदिर अवशेषों और प्रतिमाओं को वैज्ञानिक पद्धति से पुनर्स्थापित किया गया है।

देवबड़ला में 11वीं शताब्दी के परमारकालीन मंदिरों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है, जबकि आशापुरी में प्रतिहारकालीन मंदिरों का संरक्षण कार्य जारी है। इन स्थलों की स्थापत्य कला और मूर्तिकला प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ओंकारेश्वर, महाकाल मंदिर परिसर और रायसेन के धवला क्षेत्र सहित कई ऐतिहासिक स्थलों पर भी संरक्षण कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और ऐतिहासिक मूल स्वरूप के संतुलन के साथ प्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

कटनी बनेगा देश का ÷माइनिंग कैपिटल: स्वर्ण अयस्क और डोलोमाइट भंडार से औद्योगिक विकास को मिलेगी नई रफ्तार भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खनिज संपदा से समृद्ध कटनी जिला अब ÷माइनिंग कैपिटल÷ के रूप में विकसित होगा। उन्होंने कहा कि कटनी केवल ÷चूना नगरी÷ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खनिज आधारित उद्योग, निवेश और रोजगार का राष्ट्रीय केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि कटनी के इमलिया क्षेत्र में लगभग 3.35 लाख टन स्वर्ण अयस्क मिलने की संभावना सामने आई है। इसके साथ ही तांबा, जिंक, लेड और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के भंडार भी पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई की एक निजी कंपनी ने 121 करोड़ रुपये से अधिक की बोली लगाकर 50 वर्षों के लिए खनन लीज प्राप्त की है। इससे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आधुनिक तकनीक के माध्यम से अवैध खनन पर नियंत्रण और पारदर्शी खनन व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है।

किसानों को अब तक 10 हजार करोड़ से अधिक का भुगतान: 9.38 लाख किसानों से खरीदा गया 56.45 लाख मीट्रिक टन गेहूं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सतत मॉनीटरिंग में प्रदेश में गेहूं उपार्जन प्रक्रिया सुचारु रूप से जारी है। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि अब तक किसानों को 10 हजार 403 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।

प्रदेश में 9 लाख 38 हजार किसानों से 56.45 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है। सरकार 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीद रही है, जिसमें बोनस राशि भी शामिल है।

उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल, छायादार बैठने की व्यवस्था और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सरकार ने तौल कांटों की संख्या बढ़ाने और भुगतान प्रक्रिया तेज करने के भी निर्देश दिए हैं। पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई

मुख्यमंत्री बोले- बंगाल में विकास का नया दौर शुरू होगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पश्चिम बंगाल में विकास और सुशासन का नया अध्याय शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सरकार राज्य की दिशा और दशा बदलने का कार्य करेगी और पश्चिम बंगाल तीव्र विकास की ओर आगे बढ़ेगा।

// न्यूज ट्रेक

दावा- सुवेंदु के पीए को सुपारी किलर्स से मरवाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में BJP नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में नया दावा किया गया है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात सजिश के साथ हत्या की गई। पुलिस को शक है कि इसमें प्रोफेशनल शूटर शामिल हो सकते हैं। इस वारदात से बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद सियासी हिंसा का डर फिर लौट आया है। पुलिस के सीनियर अफसर के मुताबिक कई टीमें जांच में जुटी हैं। 3 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

नासिक TCS केस- मुख्य आरोपी निदा खान हिरासत में

नासिक। नासिक TCS केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी निदा खान को गुरुवार रात छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया। निदा पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप हैं। इससे पहले 2 मई को नासिक कोर्ट ने निदा की एंटीसिपेटरी बेल याचिका खारिज की थी। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट में कहा कि आरोप गंभीर हैं और उनसे कस्टडी में पूछताछ जरूरी है। इस दौरान निदा फरार चल रही थी। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने बताया था कि निदा खान इस केस की मुख्य आरोपियों में से एक हैं। इसी आधार पर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया।

सोहराबुद्दीन फर्जी मुठभेड़ केस- सभी 22 आरोपी बरी

कौसर बी तुलसीराम सोहराबुद्दीन शेख

नई दिल्ली। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को साल 2005 के सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ केस में सभी 22 आरोपियों को बरी करने का फैसला बरकरार रखा है। इस मामले में सोहराबुद्दीन की पत्नी कौसर बी और सहयोगी तुलसीराम प्रजापति की भी हत्या हो गई थी। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की बेंच ने सोहराबुद्दीन के भाइयों, रुबाबुद्दीन, नयाबुद्दीन की अपीलों को खारिज कर दिया। जिन 22 को आरोपमुक्त किया गया है, उनमें गुजरात व राजस्थान पुलिस के जूनियर लेवल के अफसर थे। उन पर आरोप था कि वे उस टीम का हिस्सा थे जिसने इन तीनों का अपहरण किया।

सुवेंदु अधिकारी बंगाल के CM होंगे

विधायक दल के नेता चुने गए ; अमित शाह ने मंच पर माला पहनाकर गले लगाया

कोलकाता। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। सुवेंदु कल 10 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में PM मोदी, शाह समेत NDA के कई बड़े नेता शामिल होंगे। 56 साल के सुवेंदु ने ष्टरूममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं।

शाह बोले- आज से जनता के प्रति हमारी जिम्मेदारी बड़ गई है

शाह ने कहा- जहां मन भय मुक्त हो, सिर गर्व से ऊंचा हो, ऐसे बंगाल का रास्ता प्रशस्त हो चुका है। 5 दशक का लंबा समय लोकतंत्र की दृष्टि से बंगाल के लिए दिन में सपने जैसा था। मोदी ने जो वादा किया है, उसे पूरा करने के लिए हम हमारा सर्वश्रेष्ठ अर्पित करें। बंगाल की संस्कृति, परंपरा को 5 दशक से विदेशी विचारों से प्रभावित शासन से मुक्त बंगाल की दिशा में आगे बढ़े। हमारी जिम्मेदारी आज से बढ़ती है।

शाह बोले- बंगाल की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं

शाह ने नए विधायकों को संबोधित करते हुए कहा- इतना बड़ा विधायक दल देखकर मन, आत्मा, शरीर, सबके अंदर खुशी की लहर उठती है। मैं दोनों हाथ जोड़कर जिम्मेदारी के साथ बंगाल की जनता को कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहता हूं। जिस तरह का मौहाल CPIM के समय से यहां बनाया जाता था, ममता ने इसे और गहरा भय में बदला। वहां मत की अभिव्यक्ति लगभग असंभव थी। सैंकड़ो उदाहरण हिंसा के, क्रूरता के थे। उसके बीच भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे।

4 मईः बंगाल में पहली बार भाजपा जीती

बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को आए। ब्छ्रक्कने 294 में से 207 सीटें जीतकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। ञ्जस्ष्ट सिर्फ 80 पर सिमट गई। राज्य में कुल 294 विधानसभा सीट हैं, एक सीट फालता पर 21 मई को दोबारा मतदान होगा। रिजल्ट 24 मई को आएगा।

5 मईः ममता बोलीं- इस्तीफा नहीं दूंगी

ममता बनर्जी ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- मैं ष्टरू पद से इस्तीफा नहीं दूंगी। हम जनादेश से नहीं, साजिश से हारे हैं। इसलिए इस्तीफा देने राजभवन नहीं जाऊंगी। ममता ने आगे कहा- चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर 100 सीटें लूटीं।

6 मईः सुवेंदु के क्क की गोली मारकर हत्या

कोलकाता के पास मध्यमग्राम में सुवेंदु अधिकारी के क्क चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वे स्कॉर्पियो पर सवार थे। एक कार उनकी गाड़ी के सामने खड़ी हो गई। इसी बीच बाइक पर आए हमलावरों ने 6 से 10 राउंड फायरिंग की।

7 मईः बंगाल गवर्नर ने विधानसभा भंग की

बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी। लोकभवन से गुरुवार शाम को इसका नोटिफिकेशन जारी हुआ। इसका मतलब है कि ममता कैबिनेट के किसी भी मंत्री के पास अब कोई पावर नहीं रहेगी।

TVK को कांग्रेस के बाद CPI का समर्थन, VCK और CPI(M) भी राजी; बहुमत के 118 विधायक पूरे

एक्टर विजय का तमिलनाडु CM बनना तय

विजय कैबिनेट में ङ्खष्य को 1 और लेफ्ट को 2 मंत्रालय मिलेंगे

सूत्रों ने दावा किया है कि सरकार बनने के बाद विजय की कैबिनेट में सहयोगी दलों को भी मंत्री पद दिए जाएंगे। VCK को एक मंत्री पद मिल सकता है, जबकि CPI और CPI(M) के लिए कुल दो मंत्री पद रखे जा सकते हैं।

चेन्नई। तमिलनाडु में एक्टर विजय का मुख्यमंत्री लगभग तय है। सूत्रों ने दावा किया है कि तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) को कांग्रेस के बाद 3 छोटी पार्टियां, विदुथलाई चिरुथैगल काची (VCK), CPI और CPI(M) भी समर्थन देने को राजी हैं। इस बीच TVK चीफ विजय ने आज लगातार तीसरे दिन राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मिलने का समय मांगा है। इससे पहले 6 और 7 मई को भी वे राज्यपाल से मिले थे। लेकिन दोनों बार उन्होंने विजय को यह कहकर लौटा दिया था कि सरकार बनाने के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन लेकर आएं। TVK ने विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीती हैं। दो सीटों पर विजय जीते हैं। उन्हें एक सीट छोड़नी पड़ेगी। ऐसे में बहुमत के लिए 11 विधायक और चाहिए। कांग्रेस के 5 विधायक पहले ही TVK को समर्थन दे चुके हैं। CPI, CPI (रू) और VCK के 2-2 विधायकों से TVK के पास बहुमत हो जाएगा।

TVK समर्थकों ने लोकभवन के सामने प्रदर्शन किया

TVK को बहुमत नहीं मिलने के केस में DMK और AIADMK में गठबंधन के बाद सरकार गठन की अटकलें हैं। TVK ने कहा कि अगर दोनों पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा पेश किया, तो उसके सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे। TVK समर्थकों ने शुक्रवार सुबह गवर्नर हाउस (लोकभवन) के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी की। पुलिस ने कई समर्थकों को हिरासत में लिया। कांग्रेस से गठबंधन टूटने के बाद DMK ने लोकसभा में अपने सांसदों की सीट बदलने की मांग की है। पार्टी ने कहा है कि गठबंधन टूटने के बाद सदन में कांग्रेस के साथ बैठना सही नहीं है। सूत्रों ने दावा किया है कि TVK विजय की कैबिनेट में VCK को एक और CPI, CPI(रू) को दो मंत्री पद दिए जा सकते हैं।

एमपी और यूपी में आंधी-बारिश से 10°C तक घटा तापमान

जैसलमेर में पारा 45°C पार; नांदेड़ में दोपहर में कोचिंग बंद रखने का आदेश

भोपाल। उत्तर प्रदेश, पाकिस्तान से सटे राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और गंगा से सटे बंगाल के इलाकों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। दक्षिण में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कई जिलों में भी अगले 7 दिन तक भारी बारिश होगी। शुक्रवार को एमपी में आंधी बारिश के बाद तापमान 34एष्ट तक पहुंच गया। यूपी में भी बारिश से राहत रही। 7 दिन पहले जिस बांदा में तापमान 47.6एष्ट था, वह 7 मई को 38एष्ट तक पहुंच गया। हालांकि, गुजरात और महाराष्ट्र में गर्मी और उमस वाला मौसम बना हुआ है। गुजरात का राजकोट देश में सबसे गर्म रहा, यहां का तापमान 42.9एष्ट दर्ज किया गया। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिला प्रशासन ने निजी कोचिंग संस्थानों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच क्लासेस रोकने को कहा है।

कश्मीर में एडवांस हथियारों वाली 1500 विलेज गार्ड्स की फौज

5 जिलों के ग्रामीण जवानों के साथ 12-12 घंटे की ड्यूटी कर रहे

जम्मू/श्रीनगर। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने गांव स्तर पर सुरक्षा तंत्र काफी मजबूत किया है। पिछले एक साल में पांच जिलों में 1500 से ज्यादा विलेज डिफेंस गार्ड्स (वीडीजी) को ट्रेनिंग दी गई है। इसमें हथियार चलाना, टैक्टिकल मूवमेंट, सर्विलांस व इमरजेंसी रिस्पॉन्स शामिल है। वहीं, .303 राइफल की जगह एसएलआर, बुलेटप्रूफ जैकेट व वायरलेस कम्युनिकेशन सेट भी दिए जा रहे हैं।ये ग्रामीण सीमाई इलाकों में जवानों के साथ 12-12 घंटे की ड्यूटी कर रहे हैं। राजौरी के अमित कुमार कहते हैं कि पिछले एक साल में कई बार घुसपैठ की कोशिशें हुई, पर वीडीजी सदस्यों ने समय रहते सेना और पुलिस को अलर्ट किया। उनके मुताबिक गांव में कोई अजनबी आता है तो लोग तुरंत पहचानकर मूवमेंट की सूचना देते हैं। रात में सुरक्षा बलों के साथ जॉइंट पेट्रोलिंग भी होती है।

बदलावः आतंकी घटनाएं 27.5% घटीं

पिछले एक साल में जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं से होने वाली मौतों में लगभग 27.5त्न की कमी दर्ज की गई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत

कर्नल सोफिया मामले में एमपी सरकार को फटकार, कहा- बहुत हुआ, आदेश का पालन करें

भोपाल। सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- Enough is enough (बस बहुत हुआ), अब हमारे आदेश का पालन कीजिए। सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे।

विरोध महिला अभ्यर्थी को पुलिस वालों ने पैर से कुचला ; कपड़े उतारकर सड़क पर बैठे प्रदर्शनकारी

सम्राट सरकार में पहला लाठीचार्ज, TRE-4 कैंडिडेट्स को दौड़ाकर पीटा

पटना। पटना में शुक्रवार को TRE-4 कैंडिडेट्स पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। कैंडिडेट्स को सड़कों पर दौड़ा-दौड़कर पीटा गया। इस दौरान कई के सिर फटे हैं।

महिला कैंडिडेट को पुलिस वालों ने पैरों से कुचला। कैंडिडेट्स ने कहा, हम आने वाले भविष्य के टीचर हैं। ये लोग हमें गुंडा समझ कर पीट रहे हैं। लाठीचार्ज के बाद सड़कों पर कैंडिडेट्स की चप्पलें बिखरी दिखीं। एक कैंडिडेट के कपड़े सीने तक खून से सने थे। लाठीचार्ज के बाद कैंडिडेट्स ने आधे कपड़े उतार दिए और सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। बारिश के बीच अभ्यर्थी सड़क पर डटे हैं। कैंडिडेट्स की मांग है कि सरकार आज ही TRE-4 की वैकेंसी जारी करे।

आज सुबह 10 बजे कैंडिडेट्स वैकेंसी जारी करने की मांग को लेकर पटना कॉलेज से निकले थे। अभ्यर्थी BPSC ऑफिस तक मार्च निकाल रहे थे। पुलिस ने JP गोलंबर पर सभी को बैरिकेडिंग कर के रोका था। इसके बाद लाठीचार्ज किया गया। इस प्रदर्शन में करीब 5 हजार कैंडिडेट्स शामिल हैं।

वाटर कैनन बुलाई, लेकिन सीधे लाठीचार्ज कर दिया

लाठीचार्ज से पहले पुलिस ने कैंडिडेट्स को छ्वक्क गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर के रोका था। कैंडिडेट्स बैरिकेडिंग तो?कर आगे ब?ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान 3 बसों से लाठियां मंगवाई गईं। वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले भी मंगवाए गए थे, लेकिन इन सबका इस्तेमाल किए बिना ही पुलिस ने सीधे लाठीचार्ज कर दिया।

अब जानिए ये प्रदर्शन क्यों हो रहा है

छात्र नेता दिलीप का कहना है कि, अभ्यर्थियों को बरगलाया जा रहा है। ब्क्कस्ष्ट परीक्षा नियंत्रक ने 16 अप्रैल को एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि TRE-4 का विज्ञापन तीन-चार दिनों में जारी कर दिया जाएगा और 25-26 अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अब 8 मई हो चुकी है और अभी तक विज्ञापन जारी नहीं किया गया है।

DMK सांसद लोकसभा में कांग्रेस के साथ नहीं बैठेंगे

तमिलनाडु। तमिलनाडु में एक्टर विजय की पार्टी TVK को समर्थन देने के बाद द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने कांग्रेस से अपना गठबंधन खत्म कर लिया है। अब DMK सांसद कनिमोझी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखकर पार्टी सांसदों की सीटिंग व्यवस्था बदलने की मांग की है। कनिमोझी ने लेटर में कहा कि बदले हुए राजनीतिक हालात और कांग्रेस के साथ गठबंधन खत्म होने के बाद DMK सांसदों का कांग्रेस सांसदों के साथ बैठना उचित नहीं है। लोकसभा में 22 सांसदों वाली DMK, विपक्षी INDIA गठबंधन की चौथी सबसे बड़ी पार्टी है। इससे पहले INDIA गठबंधन के लोकसभा में दूसरे सबसे बड़े दल समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को ममता बनर्जी और एमके स्टालिन से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था- हम वो नहीं जो मुश्किलों में साथ छोड़ दें।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 - बैकलेन सफाई और सौंदर्यीकरण अभियान तेज

नगर निगम अमले ने रंगोली, दीवार कला और स्वच्छता संदेशों से नागरिकों को किया जागरूक

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल, स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर नगर निगम भोपाल ने शहर में स्वच्छता अभियान को और तेज कर दिया है। शुक्रवार को निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने विभिन्न क्षेत्रों की बैकलेन में विशेष सफाई अभियान चलाया। इस दौरान कचरा और मलवा हटाकर बैकलेन को स्वच्छ बनाया गया तथा रंगोली, दीवार कला और स्वच्छता संदेशों के माध्यम से क्षेत्र का सौंदर्यीकरण किया गया। नगर निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर स्वच्छता अभियान कैलेंडर के तहत शहरभर में अलग-अलग गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में निगम कर्मचारियों ने बैकलेन में सफाई कार्य के साथ नागरिकों को भी अभियान में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। अभियान के दौरान दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग और स्वच्छता संबंधी संदेश अंकित किए गए। निगम अमले ने स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई और भोपाल को देश में स्वच्छता में नंबर-1 बनाने के लिए सहयोग का आह्वान किया।

नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों के अनुरूप शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। नागरिकों की सहभागिता से ही स्वच्छ भोपाल का सपना साकार होगा।

महिला अधिवक्ता स्नेह मिलन समारोह में जुटीं शहर की महिला वकीलें

डॉ. पी.सी. कोठारी के समर्थन में दिखा उत्साह, अधिवक्ताओं से किया आत्मीय संवाद

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल, राजधानी भोपाल के एम.पी. नगर स्थित होटल रेसीडेंसी में शुक्रवार को महिला अधिवक्ताओं के स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला अधिवक्ताओं ने सहभागिता कर अधिवक्ता हितों और आगामी अधिवक्ता परिषद चुनाव को लेकर चर्चा की।

यह आयोजन मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद अध्यक्ष पद के प्रत्याशी डॉ. पी.सी. कोठारी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अर्चना कोठारी द्वारा आयोजित किया गया। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने महिला अधिवक्ताओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनके सुझाव और विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की मजबूती के लिए मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता है। महिला अधिवक्ताओं ने भी डॉ. पी.सी. कोठारी के प्रति समर्थन और विश्वास व्यक्त किया।

समारोह में सौहार्दपूर्ण वातावरण के बीच अधिवक्ता समुदाय की एकजुटता और सहभागिता देखने को मिली। उपस्थित जनों ने डॉ. कोठारी के सफल नेतृत्व और आगामी चुनाव में विजय की कामना की।

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय भवन निर्माण कार्य शुरू

45 करोड़ से अधिक लागत से बनेगा आधुनिक परिसर, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने किया निरीक्षण

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के नए भवन निर्माण कार्य की शुरुआत हो गई है। लक्ष्मणबाग परिसर से लगी भूमि पर बनने वाले इस आधुनिक विश्वविद्यालय भवन का निर्माण मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा लगभग 45.79 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने शुक्रवार को निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रस्तावित भवन में प्रशासनिक ब्लॉक के अंतर्गत सेमिनार हॉल, कार्यालय, अकाउंट सेक्शन, प्लेसमेंट सेक्शन और रिकॉर्ड रूम का निर्माण किया जाएगा। वहीं अकादमिक ब्लॉक में 12 अध्ययन कक्ष, 4 प्रोफेसर कक्ष और एक आधुनिक कंप्यूटर लैब बनाई जाएगी। इसके अलावा विश्वविद्यालय परिसर में 50 सीट क्षमता वाले कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार भविष्य में बालक छात्रावास का निर्माण भी कराया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति, उप मुख्यमंत्री प्रतिनिधि राजेश पाण्डेय, विभागीय अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भाजपा की मासिक एवं कामकाजी जिला बैठक संपन्न

संगठन मजबूती, बूथ सशक्तिकरण और जनसंपर्क अभियान पर हुआ मंथन

संचिता सुषमा वाल्के शाजापुर, 08 मई। भारतीय जनता पार्टी की मासिक एवं कामकाजी जिला बैठक शुक्रवार को शाजापुर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, बूथ सशक्तिकरण और आगामी जनसंपर्क अभियानों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में जिले के प्रभारी मंत्री एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाना सभी की जिम्मेदारी है।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता जनसेवा और राष्ट्रहित के भाव से निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में संभाग प्रभारी लता वानखेड़े, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष पंकज जोशी, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रवि पांडे, विधायक अरुण भीमावत, विधायक घनश्याम चंद्रवंशी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल जाटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई तथा बूथ स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

एनीमिया मुक्त भारत स्कोरकार्ड में मध्यप्रदेश देश में अव्वल

92.1 एएमबी इंडेक्स के साथ हासिल किया पहला स्थान, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने स्वास्थ्य अमले को दी बधाई

संचिता सुषमा वाल्के। मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) स्कोरकार्ड 2025-26 में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश ने 92.1 एएमबी इंडेक्स हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान अर्जित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम और मैदानी स्वास्थ्य अमले को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार, पोषण सुदृढ़ीकरण और एनीमिया नियंत्रण के लिए सरकार की सतत प्रतिबद्धता का परिणाम है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ नागरिक विकसित मध्यप्रदेश की आधारशिला हैं और सरकार स्वास्थ्य के प्रत्येक मानक में सुधार के लिए मिशन मोड में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आयरन-फोलिक एसिड वितरण और पोषण गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। प्रदेश ने 6 से 59 माह के बच्चों में 80.4 प्रतिशत, 5 से 9 वर्ष के बच्चों में 95 प्रतिशत, किशोर वर्ग में 95 प्रतिशत, गर्भवती महिलाओं में 95 प्रतिशत तथा धात्री माताओं में 95 प्रतिशत आयरन-फोलिक एसिड अनुपूरण कवरेज हासिल किया है।

राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश के बाद आंध्रप्रदेश और तेलंगाना संयुक्त रूप से 90.6 एएमबी इंडेक्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि तमिलनाडु 89.9 इंडेक्स के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

सुवेंदु अधिकारी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाइयों का दौर

पश्चिम बंगाल में विकास और सुशासन की नई उम्मीद जताई

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री सुवेंदु अधिकारी को भाजपा पश्चिम बंगाल विधानमंडल दल का नेता चुने जाने पर विभिन्न नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। जारी बधाई संदेश में कहा गया कि पश्चिम बंगाल की जनता ने भाजपा के प्रति जो विश्वास और समर्थन व्यक्त किया है, वह प्रदेश में विकास, सुशासन और सकारात्मक परिवर्तन की राजनीति की बढ़ती स्वीकार्यता का प्रतीक है। संदेश में विश्वास व्यक्त किया गया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकास, सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए दौर की शुरुआत बताते हुए संगठन और नेतृत्व को शुभकामनाएं।

चिड़ावत गांव में जल संकट पर कांग्रेस का हमला

जीतू पटवारी बोले- 'हर घर नल से जल' योजना की खुली पोल

संचिता सुषमा वाल्के देवास। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने देवास जिले के चिड़ावत गांव में पेयजल संकट को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस गांव को कागजों में ÷आदर्श ग्राम÷ बताया जा रहा है, वहां आज भी ग्रामीणों को खेतों और दूरस्थ स्थानों से डिब्बों में पानी भरकर लाना पड़ रहा है।

पटवारी ने कहा कि यह केवल एक गांव की समस्या नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में ÷हर घर नल से जल÷ और जल जीवन मिशन की जमीनी हकीकत को उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कई गांवों में लोगों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2019 में हर ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने का वादा किया था, लेकिन अनेक गांवों में केवल पाइपलाइन और टंकियां बनाकर योजनाओं को कागजों में पूरा दिखा दिया गया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चिड़ावत गांव का वीडियो बेहद चिंताजनक है, जिसमें महिलाएं और बच्चे पानी के लिए भटकते नजर आ रहे हैं, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में योजना पूरी दिखाई गई है।

पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश के कई जिलों में जल जीवन मिशन के तहत भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आई हैं। कहीं अधूरी पाइपलाइनें छोड़ दी गईं तो कहीं नई बनी टंकियां क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने इसे जनता के टैक्स के पैसे की खुली लूट बताया।

उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में पारदर्शिता चाहती है तो जल जीवन मिशन के कार्यों का सामाजिक ऑडिट कराया जाए और दोषी अधिकारियों, ठेकेदारों एवं एजेंसियों पर एफआईआर दर्ज की जाए।

कांग्रेस ने मांग की है कि चिड़ावत गांव सहित जल संकट से जूझ रहे सभी गांवों का तत्काल सर्वे कराया जाए और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस गांव-गांव जाकर भाजपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार और विकास मॉडल की वास्तविकता जनता के सामने लाती रहेगी।

भोपाल क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 9.57 किलो गांजा जब्त

रानी कमलापति स्टेशन से आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल भी बरामद

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल। गृह मंत्रालय की गाइडलाइन के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान में भोपाल क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-5 स्थित पार्सल ऑफिस के पास से 9.570 किलोग्राम अवैध गांजा और एक मोबाइल फोन जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ और मोबाइल की कुल कीमत करीब 2 लाख 65 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती मोनिका शुक्ला के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त अपराध श्री अखिल पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान और सहायक पुलिस आयुक्त श्री अनिल वर्मा के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी अशोक मरावी और उनकी टीम ने यह सफलता हासिल की।क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक आसमानी रंग का ट्रॉली बैग लेकर स्टेशन परिसर में गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आयुष शिवहरे पिता नरेंद्र शिवहरे (27 वर्ष), निवासी चिरगांव, जिला झांसी (उत्तर प्रदेश) बताया। जब पुलिस ने उसके ट्रॉली बैग की तलाशी ली तो उसमें खाकी टेप से लिपटे 10 पैकेट मिले। जांच करने पर इन पैकेटों में गांजा पाया गया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 9.570 किलो गांजा और वीवो कंपनी का मोबाइल फोन जब्त कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी उड़ीसा के रास्ते गांजा लाकर अन्य राज्यों में सप्लाई करता था। भोपाल पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी नशे से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक गोविंद यादव सहित आरक्षक लक्ष्मण सिंह तोमर, आनंद कुमार, फिरोज खान, घनश्याम चंद्रावत, पंकज डहरिया, विवेक नामदेव और महिला आरक्षक अनुराधा बघेल की सराहनीय भूमिका रही।

स्कूल बस चालकों और परिचारिकाओं को दिया सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण

सागर पब्लिक स्कूल साकेत नगर में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल । सड़क सुरक्षा और छात्र परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को सागर पब्लिक स्कूल, साकेत नगर में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल बस चालकों, परिचालकों और परिचारिकाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षण के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी स्कूल बस संचालन संबंधी गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही प्रतिभागियों को राहवीर योजना और सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के मुफ्त उपचार से संबंधित प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में समय पर सहायता और सही जानकारी कई लोगों की जान बचा सकती है। कार्यक्रम में बस संचालन के दौरान बच्चों की सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के तरीकों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

भोपाल में 75 वर्षीय महिला से टीटीई की मारपीट का आरोप

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल। राजधानी भोपाल में ट्रेन के अंदर एक बुजुर्ग महिला के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुशीनगर एक्सप्रेस में टीटीई ने 75 वर्षीय महिला के चेहरे पर घूंसा मार दिया, जिससे उनके दांत टूट गए। घटना के बाद पीड़िता ने रानी कमलापति स्टेशन स्थित जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी टीटीई के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पूर्वी रेलवे कॉलोनी निवासी बुजुर्ग महिला नर्मदापुरम से भोपाल आ रही थीं। ट्रेन छूटने का डर होने के कारण वह जल्दबाजी में एसी कोच में चढ़ गईं। इसी बात को लेकर टीटीई नाराज हो गया और कथित रूप से महिला के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट कर दी।पीड़िता का आरोप है कि टीटीई द्वारा मारा गया घूंसा उनके चेहरे पर लगा, जिससे उनके दांत टूट गए। घटना के बाद ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने भी महिला की मदद की।

मामले की शिकायत रानी कमलापति स्टेशन जीआरपी थाने में की गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। वहीं, पीड़ित महिला और उनके परिजनों ने आरोपी टीटीई के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ग्वालियर में पेयजल एवं सीवरेज कार्यों में लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई

संचिता सुषमा वाल्के ग्वालियर। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने पेयजल एवं सीवरेज कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। विभाग द्वारा 2 अधिकारियों के निलंबन के निर्देश दिए गए हैं, जबकि 1 अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे एवं नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने 8 मई 2026 को ग्वालियर नगर निगम क्षेत्र में चल रही अधोसंरचना एवं सीवरेज परियोजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परियोजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता और नागरिक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के बाद ग्वालियर संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री ने नगर निगम ग्वालियर के कार्यपालन यंत्री श्री संजीव कुमार गुप्ता को जल प्रदाय एवं सीवरेज कार्यों के संधारण में लापरवाही पाए जाने पर निलंबित कर दिया। श्री गुप्ता मूल रूप से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से संबद्ध हैं।

बरगवां लूटकांड के आरोपी कमलेश उर्फ लक्की साकेत, सुमित साकेत और विकास साकेत गिरफ्तार, भेजे गए जेल

सिंगरौली

सिंगरौली,सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में हुई लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने राह चलते युवक के साथ मारपीट कर नकदी, आधार कार्ड, पेन कार्ड और पर्स लूट लिया था।

पुलिस के मुताबिक, फरियादी शिवेंद्र कुमार तिवारी निवासी हर्रहवा थाना चितरंगी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 4 मई 2026 की रात करीब 8 बजे बरगवां क्षेत्र में तीन युवकों ने उनके साथ मारपीट कर 4800 रुपये नगद, आधार कार्ड, पेन कार्ड और पर्स छीन लिया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने आधार कार्ड का उपयोग कर खाते से 4500 रुपये भी निकाल लिए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए बरगवां थाना में अपराध क्रमांक 263/2026 धारा 309(6) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एसडीओपी सिंगरौली श्रीमती गायत्री तिवारी एवं थाना प्रभारी बरगवां की टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी गिरफ्तार

कमलेश साकेत उर्फ लक्की, पिता भैयाराम साकेत, निवासी बरहवाटोला थाना बरगवां

सुमित कुमार साकेत, पिता रामाधार साकेत, उम्र 19 वर्ष, निवासी बरहवाटोला थाना बरगवां

विकास कुमार साकेत, पिता भगवान दास साकेत, उम्र 20 वर्ष, निवासी धौंहर हाल बरहवाटोला

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई रकम 9300 रुपये, आधार कार्ड, पेन कार्ड और पर्स बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जिला जेल भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में निरीक्षक मो. समीर, एसआई अरुण पटेल, विनोद मिश्रा, प्रआर फूल सिंह, संजय यादव, अनुप मिश्रा, नंदकिशोर बागरी, आर. अरविंद यादव और प्रतीक कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनगणना कार्य की प्रगति एवं सटीकता सुनिश्चित करने प्रशासनिक अधिकारियों ने किया वार्डों का सघन निरीक्षण

सिंगरौली

सिंगरौली, भारत सरकार के महत्वाकांक्षी जनगणना अभियान के अंतर्गत सिंगरौली जिले में जनगणना कार्यों की सुचारू प्रगति एवं जमीनी स्तर पर कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने हेतु वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विभिन्न वार्डों एवं गृह सूचीकरण खंड (एचएलबी) क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जनगणना कार्य में शुद्धता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करना तथा क्षेत्र स्तर पर सामने आ रही तकनीकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करना रहा। निरीक्षण दल का नेतृत्व अपर जिला मजिस्ट्रेट श्री प्रभाव शंकर त्रिपाठी, जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती प्रिया त्रिपाठी एवं सहायक जिला जनगणना अधिकारी श्री संजीव पांडे द्वारा किया गया।

भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न वार्डों में प्रगणकों द्वारा किए जा रहे गृह सूचीकरण खंड कार्यों की बारीकी से जांच की तथा क्षेत्रीय कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने ऑनलाइन आंकड़ा समन्वयन एवं पोर्टल पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी त्रुटि अथवा आंकड़ों में विसंगति न होने पर विशेष जोर दिया। साथ ही निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रत्येक घर का भौतिक सत्यापन पूर्ण करने एवं प्रतिवेदन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और सटीकता बनाए रखने के निर्देश दिए गए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की आंकड़ों संबंधी विसंगति उत्पन्न न हो।

निरीक्षण के दौरान नगर जनगणना अधिकारी ज्योति सिंह एवं जोन जनगणना अधिकारी श्री श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे और उन्होंने तकनीकी बिंदुओं पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान सर्किल क्रमांक-19 के पर्यवेक्षक श्री सुशील यादव, श्री विनोद कुमार प्रजापति एवं अधिकारी श्री गोविंद चौरसिया ने अधिकारियों को क्षेत्र में चल रहे कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। निरीक्षण दल द्वारा मौके पर ही कई क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान कर गणना कार्य को और अधिक गति प्रदान की गई। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी, जबकि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं टीमों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

कलेक्टर ने देवसर में की जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यो की समीक्षा

सिंगरौली

सिंगरौली, कलेक्टर गौरव बैनल के द्वारा मंगल भवन देवसर में आयोजित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की बैठक आयोजित कर जल गंगा संवर्धन अभियान एवं पीएम जनमन योजना की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभयान की समीक्षा करते हुयें निर्देश दिए कि कि आगामी मानसून को देखते हुए जिले के चिन्हित तालाबों के गहरीकरण का कार्य आने वाले सोमवार से अनिवार्य रूप से प्रारंभ कर दिया जाएगा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तकनीकी अमले के साथ समन्वय कर कार्यस्थल का निरीक्षण करें ताकि वर्षा जल संचयन के लिए समय रहते पर्याप्त व्यवस्था की जा सके। इसके साथ ही, तालाबों के किनारों पर व्यापक वृक्षारोपण की योजना भी बनाई जायें। कलेक्टर ने जिलें में कार्यरत औद्योगिक कम्पनी आदानी समूह को सीएसआर मद से 15 तालाबो का जीर्णोद्धार तथा हिन्डलको को अपने सीएसआर मद से जिले के 10 का जीर्णोद्धार कराने के भी निर्देश दिए है। जिसके तहत संबंधित कम्पनियों द्वारा तालाबो के जीर्णोद्धार का कार्य किया जायेगा।

कलेक्टर के निर्देशन में अदानी समूह 15 तालाबो तथा हिन्डालको करेगा 10 तालाबो का जीर्णोद्धार पीएम जनमन योजना के कार्यो में प्रगति लाने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम जनमन) की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश कि लाभार्थियों को मिलने वाली किश्तों में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवास निर्माण के प्रत्येक चरण के पूर्ण होते ही अधिकारियों को भौतिक सत्यापन (फिजिकल वेरिफिकेशन) करने और तुरंत अगली किश्त जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि लक्ष्य यह है कि सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा हो जाए और पात्र परिवारों को उनका अपना पक्का घर मिल सके।

स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए भी कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होने निर्देश दिए कि जिन जिन हितग्राहियों की तकनीकी कारणों या दस्तावेजों की कमी की वजह से आयुष्मान कार्ड नहीं बन पा रहे हैं, वहां विशेष शिविर आयोजित किए जायें। इन शिविरों के माध्यम से ई-गवर्नेंस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर ही समस्याओं का निराकरण करेगी। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे फील्ड पर सक्रिय रहकर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान करें। बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश गोमे, सहायक कलेक्टर सौम्या मिश्रा, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद डामोर सहित सहायक यंत्री, उपयंत्री, सचिव रोजगार सहायक उपस्थित रहें।

भारतीय जनता पार्टी देवतालाब विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मंडल रघुराजगढ में बंगाल मे भाजपा जीत का उत्सव मनाया गया

रघुराजगढ़। मध्य प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माननीय श्री गिरीश गौतम जी एवं जिला अध्यक्ष भाजपा डॉ राजेंद्र मिश्रा जी के नेतृत्व में रघुराजगढ़ मंडल अध्यक्ष लवकुश सिंह के अध्यक्षता में विधानसभा देवतालाब अंतर्गत रघुराजगढ़ मंडल में बंगाल मे भाजपा की प्रचंड जीत पर भव्य उत्सव मनाया गया इस अवसर पर मंडल प्रभारी अवध बिहारी पांडेय वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता महेंद्र दुबे रघुराजगढ़ मंडल उपाध्यक्ष मनोज सिंह सेगर रामवती नट किरण पाठक, विधायक प्रतिनिधि चंद्रभान साहू महामंत्री श्रीनिवास साकेत मंडल मंत्री संदीप पटेल नावेन्द पांडेय रमेश पटेल कोषाध्यक्ष राजा राम गुप्ता भाजपा मीडिया प्रभारी शंकर्षण द्विवेदी एडवोकेट कार्यालय मंत्री अखलेश राजक, धीरेंद्र सिंह उर्फ कल्लू सिंह कामता पटेल भोले सिंह करुणा तिवारी विनोद पटेल कुमर बहादुर सिंह अजय प्रताप सिंह, समस्त बूथ अध्यक्ष सहित भारी संख्या में स्थानीय जन एवं भाजपा कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

स्वच्छता सर्वेक्षण–2026 की तैयारियों को लेकर निगमायुक्त ने किया वार्ड 43 व 44 का सघन निरीक्षण

जन–भागीदारी और प्रशासनिक तत्परता के समन्वय से सिंगरौली आगामी सर्वेक्षण में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा–सविता प्रधान

सिंगरौली

सिंगरौली,नगर पालिक निगम सिंगरौली के आयुक्त सविता प्रधान ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 की तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वार्ड क्रमांक 43 एवं 44 सहित एनसीएल ग्राउंड बिलौंजी और एनसीएल ग्राउंड हर्रई क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जमीनी स्तर पर स्वच्छता व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और नालियों की सफाई का जायजा लिया। आयुक्त ने मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और नियमित अंतराल पर कचरे का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने पर जोर दिया ताकि सर्वेक्षण में नगर निगम को उत्कृष्ट रैंकिंग प्राप्त हो सके।

निरीक्षण के दूसरे चरण में आयुक्त ने क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति और उनकी गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों में उपयोग की जा रही सामग्री की जांच करते हुए कार्य एजेंसियों को निर्देश दिए कि कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि सभी प्रोजेक्ट्स को निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही पूर्ण किया जाए और समय-समय पर इनकी तकनीकी जांच की जाए। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।अंत में, आयुक्त ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने की बात कहते हुए नागरिकों से भी इस अभियान में सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण केवल एक वार्षिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह सिंगरौली को स्वच्छ, सुंदर और रहने योग्य शहर बनाने का एक साझा संकल्प है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग और व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि जन-भागीदारी और प्रशासनिक तत्परता के समन्वय से सिंगरौली आगामी सर्वेक्षण में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। इस दौरान कार्यपालन अधिकारी संतोष पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी बी.जी चतुर्वेदी सहायक यंत्री विपिन तिवारी, इन्द्रवेश यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान रीवा जिले की रैंकिंग में गंगेव जनपद ने गाड़ा सफलता का झंडा प्रदेश में मिली 59वीं रैंक

जनपद सीईओ प्राची चौबे की लगातार मॉनिटरिंग कर्मचारियों के सक्रियता के बाद हासिल हुआ ये सफलता

रीवा = मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रीवा जिला भले ही प्रदेश की रैंकिंग में 47वें पायदान पर पिछड़ गया हो, लेकिन जिले की जनपद पंचायत गंगेव ने अपनी कार्यकुशलता से एक मिसाल पेश की है।जनपद पंचायत गंगेव ने प्रदेश स्तर पर 59वां स्थान प्राप्त किया है,जो पूरे रीवा जिले में प्रथम स्थान पर है।इस सफलता का श्रेय गंगेव जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्राची चौबे की जनहितैषी कार्यशैली और निरंतर फील्ड मॉनिटरिंग को दिया जा रहा है।

फील्ड में सक्रियता और जनहितैषी कार्यशैली

श्रीमती प्राची चौबे अपनी विशिष्ट कार्यशैली के लिए जानी जाती हैं।शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक सीमित न रहे,इसके लिए वे स्वयं निरंतर फील्ड में सक्रिय रहती हैं।जल गंगा अभियान के तहत जल स्रोतों के पुनर्जीवन और संरक्षण कार्यों में उन्होंने व्यक्तिगत रुचि लेकर गंगेव जनपद को जिले में शीर्ष पायदान पर पहुंचाया है।उनकी इस उपलब्धि से न केवल जनपद का मान बड़ा है, बल्कि जिले के अन्य विकासखंडों के लिए भी वे एक प्रेरणा बनी हैं।

रायपुर कर्चुलियान का 10 दिवसीय चर्चित कार्यकाल

श्रीमती चौबे की प्रशासनिक पकड़ का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में उनके मात्र 10 दिनों के अतिरिक्त प्रभार वाले कार्यकाल की चर्चा आज भी जनता और प्रशासनिक गलियारों में होती है।अपने संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान उन्होंने सुस्त पड़े विभागीय ढर्रे को दुरुस्त कर दिया था।कर्मचारियों की समयबद्धता और फाइलों के त्वरित निराकरण को लेकर उन्होंने जो सख्ती दिखाई थी, उसका सकारात्मक असर आज भी वहां महसूस किया जाता है।

जनता का कार्य सर्वोपरि

गंगेव जनपद में पदस्थापना के बाद से ही श्रीमती चौबे का मुख्य फोकस अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाना रहा है।स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का कहना है कि सीईओ श्रीमती चौबे की सुलभता और समस्याओं के निराकरण की त्वरित गति ने प्रशासनिक व्यवस्था में जनता का विश्वास बड़ाया है।जल गंगा संवर्धन अभियान में गंगेव की इस शानदार रैंकिंग ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि नेतृत्व सक्षम और फील्ड में सक्रिय हो,तो विपरीत परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

रीवा में कलेक्टर का हंटर बनाम अधिकारियों का मोर्चा; सख्ती से मचा हड़कंप, काम करने के बजाय कमिश्नर की शरण में पहुंचे कर्मचारी

प्रशासनिक संग्राम~ कलेक्टर सूर्यवंशी की जीरो टॉलरेंस नीति से हिली व्यवस्था ; वेतन रोकने और नोटिस की बौछार से नाराज पंचायत विभाग ने खोला मोर्चा

रीवा। रीवा जिले में जब से कलेक्टर *नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी* ने कमान संभाली है, तब से लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। शासन की योजनाओं को कागजों से उतारकर जमीन पर लाने की कलेक्टर की जिद ने कई %मठाधीश% अधिकारियों की हवा निकाल दी है। हालांकि, इस प्रशासनिक सख्ती के खिलाफ अब जिले के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लामबंद होकर मोर्चा खोल दिया है और संभागायुक्त (कमीशनर) को ज्ञापन सौंपकर अपनी नाराजगी जताई है। पिछले एक सप्ताह से कलेक्टर लगातार मैदानी अमले की नब्ज टटोल रहे हैं। बुधवार की समीक्षा बैठक में कलेक्टर का सख्त रुख देखने को मिला, जहाँ उन्होंने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास और जल गंगा संवर्धन अभियान में सुस्ती बरतने वालों पर जमकर गाज गिराई। एपीओ, पीओ और एएओ का वेतन कार्य के आधार पर जारी करने के निर्देश दिए गए। मनरेगा पीओ की संविदा समाप्त करने और सीईओ जनपद का वेतन आगामी आदेश तक रोकने की चेतावनी दी गई। कार्यपालन यंत्री ऋ्थ्य्र, एसडीओ और उपयंत्रियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कलेक्टर सूर्यवंशी ने स्पष्ट कर दिया है कि मुख्यमंत्री के महत्वपूर्ण %जल गंगा संवर्धन अभियान% में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दो टूक कहा कि शासकीय राशि में अनियमितता मिलने पर सीधे *एफआईआर* दर्ज कराई जाएगी। इसी सख्ती का असर है कि जनसुनवाई में भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर गंगेव सीईओ को नोटिस मिला और सेमरिया तहसील के एक क्लर्क को तत्काल निलंबित कर दिया गया। जिला पंचायत के अधिकारियों को अब बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने की मनाही है। कार्यालय में लेटलतीफी करने वालों को फटकार लगाते हुए समय पर उपस्थित रहने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर की इस %स्कूल जैसी अनुशासन% वाली कार्यशैली ने उन कर्मचारियों को असहज कर दिया है जो सालों से ढर्रे पर काम करने के आदी थे।प्रशासनिक कसावट को पंचायत विभाग के कर्मचारियों ने %मानसिक दबाव% करार दिया है। संयुक्त मोर्चा बनाकर संभागायुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाए गए हैं। कर्मचारियों ने मांगें पूरी न होने तक *अनिश्चितकालीन हड़ताल* पर जाने का ऐलान कर दिया है, जिससे जिले में विकास कार्यों के ठप होने का खतरा मंडराने लगा है। रीवा जिले को प्रदेश की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुँचाने के लिए कलेक्टर की सख्ती एक सकारात्मक कदम है, लेकिन मैदानी अमले का इस तरह विरोध पर उतरना योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा बन सकता है। सवाल यह है कि क्या अधिकारी काम के दबाव से डर रहे हैं या वाकई संवाद की कमी हैड़ जनता को केवल नतीजों से मतलब है, प्रशासनिक रस्साकशी से नहीं।

भाजपा के जिला संगठन प्रभारी रविंद्र सिंह चौहान भाजपा नेता जगजीवन तिवारी के आवास पहुंचे

भाजपा नेता जगजीवन तिवारी भाजपा के जिला संगठन प्रभारी शाल श्रीफल एवं तलवार भेंट कर किया आत्मिक स्वागत

रीवा। भारतीय जनता पार्टी के भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं भारतीय जनता पार्टी रीवा के जिला संगठन प्रभारी रविंद्र सिंह चौहान एक दिवसीय अल्पप्रवास पर मंनगवा विधानसभा क्षेत्र मंनगवा में आयोजित रामपुर एवं मंनगवा मंडल के संगठन बैठक में शामिल होने के पूर्व भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जिलाकर समिति सदस्य जगजीवन लाल तिवारी के आवास पहुंचे जहां जिला संगठन प्रभारी रीवा रविंद्र सिंह चौहान का शाल श्रीफल एवं तलवार देकर सम्मान एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया इसके पश्चात श्री चौहान एवं श्री तिवारी के बीच 15 मिनट राजनीतिक गतिविधियों पर गहन विचार विमर्श हुआ इस मौके पर जिला भाजपा रीवा के उपाध्यक्ष एवं मंनगवा विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी विवेक गौतम महेंद्र तिवारी संतोष तिवारी उत्तम तिवारी सेवा सहकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मनोज तिवारी निखिल तिवारी एवं तिवारी परिवार की अन्य सदस्य मौजूद रहे

भाजपा जिला रीवा के प्रभारी रविंद्र सिंह चौहान भाजपा नेता जगजीवन तिवारी से हुई राजनीतिक विचार विमर्श: रीवा जिले के अल्प प्रवास पर ग्वालियर से चलकर रीवा में पदार्पण होने के पश्चात भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अटल कुंज में आत्मिक स्वागत हुआ इसके पश्चात मंनगवा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित भाजपा मंडलों में संगठनात्मक बैठ के रामपुर मंनगवा में पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल होने के पूर्व भाजपा नेता एवं जिला कार्य समिति सदस्य जगजीवन लाल तिवारी के आवास पहुंचे और 15 मिनट वर्तमान भाजपा की गतिविधियों पर गहन विचार विमर्श दोनों नेताओं के बीच होने के बाद भाजपा जिला उपाध्यक्ष विवेक गौतम एवं अन्य लोग भाजपा मंडल रामपुर मंडल की बैठक में शामिल होने के लिए उन्होंने 1:00 बजे रवाना हुए भाजपा मंडल रामपुर की बैठक समाप्त होने के बाद अंतिम संगठन की बैठक मंनगवा मंडल में शामिल हुए संगठन की परिचर्चा एवं संगठन को मजबूत किए जाने के लिए बैठक पूर्व नियोजित कार्यक्रम में शामिल हुए भाजपा मंडल की बैठक समाप्त होने के बाद भाजपा जिला संगठन प्रभारी रीवा विवेक गौतम भाजपा उपाध्यक्ष एवं प्रभारी के साथ रीवा के लिए रवाना हो गए किंतु भाजपा जिला संगठन प्रभारी श्री चौहान और भाजपा के नेताजी जीवनलाल तिवारी के बीच जो राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा हुई है ।

भानपुर-विदिशा रोड पर अतिक्रमण से रोज लगता लंबा जाम

भोपाल। भोपाल के भानपुर-विदिशा रोड पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सड़क किनारे ठेले, दुकानों का फैलता सामान और अवैध पार्किंग के कारण मुख्य सड़कें दिन-ब-दिन संकरी होती जा रही हैं। हालत यह है कि सुबह और शाम के समय यहां रोज लंबा ट्रैफिक जाम लग रहा है, जिससे हजारों वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भानपुर-विदिशा रोड शहर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों में शामिल है, जहां से हर दिन बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहन गुजरते हैं। लेकिन सड़क किनारे बढ़ते अतिक्रमण के कारण वाहनों की रफ्तार थम जाती है। कई बार तो जाम इतना बढ़ जाता है कि लोगों को कुछ किलोमीटर का सफर तय करने में काफी समय लग जाता है। राहगीरों और व्यापारियों के अनुसार, सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहन और अस्थायी दुकानें दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा रही हैं। स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार एंबुलेंस तक जाम में फंस जाती हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। नागरिकों का आरोप है कि नगर निगम और ट्रैफिक विभाग द्वारा समय-समय पर कार्रवाई की बात तो कही जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर दिखाई नहीं देता। कुछ समय के लिए अतिक्रमण हटाया जाता है, लेकिन फिर से सड़क पर कब्जा शुरू हो जाता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि भानपुर-विदिशा रोड पर स्थायी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए, अवैध पार्किंग पर सख्ती की जाए और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए नियमित निगरानी रखी जाए। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

एम्स में प्रशासनिक सुस्ती और तकनीकी बाधाओं के कारण सुविधाएं अधूरी

करोड़ों का बजट, मशीनें है, पर 'तारीख' के इंतजार में 36 हजार कैंसर मरीज

30 करोड़ का रोबोटिक सिस्टम और 151 करोड़ का कैंसर ब्लॉक अब भी अधूरा

भोपाल

स्वास्थ्य सुविधाओं का शिखर कहे जाने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल (एम्स) में इन दिनों एक अजीब विरोधाभास है। यहां करोड़ों की लागत से आई विश्वस्तरीय मशीनें तो मौजूद हैं, लेकिन वे मरीजों की जान बचाने के बजाय धूल फांक रही हैं। एम्स भोपाल में कैंसर और जटिल सर्जरी के लिए करोड़ों रुपये की अत्याधुनिक मशीनें पहुंच चुकी हैं, लेकिन प्रशासनिक सुस्ती और तकनीकी अड़चनों के कारण मरीज अब भी इलाज के लिए भटकने को मजबूर हैं। आलम यह है कि 2021-22 में शुरू हुए प्रोजेक्ट्स की डेडलाइन 5 बार बदली जा चुकी है, जिससे मध्य प्रदेश के हजारों कैंसर मरीजों का भविष्य अधर में लटका है।

मरीजों को नहीं मिल रही राहत

संस्थान में गामा नाइफ, पीईटी-सीटी और रोबोटिक सर्जरी यूनिट की स्थापना अंतिम चरण में होने के बावजूद इन सुविधाओं की शुरुआत बार-बार टल रही है। इन सुविधाओं से हर साल करीब 36 हजार कैंसर मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन फिलहाल मरीज निजी अस्पतालों में भारी खर्च उठाने या दिल्ली जैसे बड़े शहरों का रुख करने को मजबूर हैं।

पांच बार बदली गई डेडलाइन

इन परियोजनाओं की शुरुआत 2021-22 में हुई थी, लेकिन अब तक डेडलाइन केवल कागजों में बदलती रही है। गामा नाइफ प्रोजेक्ट की समयसीमा पांच बार बदली जा चुकी है। पहले इसे 2024 तक शुरू होना था, लेकिन अब 2026 के अंत तक टाल दिया गया है। वहीं पीईटी-सीटी की डेडलाइन भी दो बार बढ़ाई जा चुकी है। दूसरी ओर रोबोटिक सर्जरी यूनिट में 2023 से प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद उपकरणों की खरीदी पूरी नहीं हो सकी है। देरी का सबसे बड़ा कारण परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से न्यूक्लियर सेफ्टी क्लीयरेंस न मिलना बताया जा रहा है। गामा नाइफ जैसे रेडियोसर्जरी उपकरण बिना अनुमति शुरू नहीं किए जा सकते। इसके अलावा मशीनों को संचालित करने के लिए सुपर-स्पेशलाइज्ड टेक्नीशियनों की कमी, डॉक्टरों की अधूरी ट्रेनिंग और विशेष बंकर व कूलिंग सिस्टम तैयार करने में देरी भी वजह बनी हुई है।

मरीजों को क्या फायदा मिलता?

गामा नाइफ- बिना चीरा लगाए ब्रेन ट्यूमर का इलाज संभव होता और मरीजों को कम दर्द व जल्दी डिस्चार्ज मिलता।
पीईटी/सीटी- कैंसर की स्टेज और फैलाव की सटीक जांच एम्स में हो पाती, लेकिन मरीज निजी अस्पतालों में महंगी जांच कराने को मजबूर हैं।
रोबोटिक सर्जरी- जटिल ऑपरेशन अधिक सटीकता और कम जोखिम के साथ किए जा सकते थे, लेकिन रोबोट खरीद प्रक्रिया अब भी अधर में है।

करोड़ों खर्च, सुविधाएं अधूरी

एम्स में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए भारी बजट खर्च किया जा रहा है। नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सहयोग से 30 करोड़ रुपये की लागत वाला दा विंची रोबोटिक आर्म सिस्टम लगाया जा रहा है, जो यूरोलॉजी और जटिल सर्जरी में उपयोगी होगा। हालांकि स्पाइन सर्जरी के लिए 21 करोड़ रुपये का रोबोट कार्यरत है, लेकिन मुख्य रोबोटिक सेंटर अब भी टेंडर और तकनीकी सेटअप में उलझा हुआ है।

कैंसर ब्लॉक भी पूरा नहीं बना

गामा नाइफ और पीईटी-सीटी मशीनों के लिए बनाए जा रहे सेंट्रलाइज्ड कैंसर ब्लॉक पर लगभग 151 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इसके बावजूद मरीजों को अभी तक इन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

गामा नाइफ, पीईटी-सीटी और रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शुरू करने के लिए प्रक्रिया तेजी से जारी है। डॉक्टरों और टेक्नीशियनों की ट्रेनिंग दी जा रही है। हमारी योजना है कि इस साल के अंत तक इन तीनों महत्वपूर्ण सुविधाओं को मरीजों के लिए शुरू कर दिया जाए।
- डॉ. विकास गुप्ता, अधीक्षक, एम्स भोपाल

फूड आउटलेट के खाने में मिले कीड़े, खाद्य विभाग ने भेजा नोटिस

सुधार के लिए दिया 14 दिन का अल्टीमेटम

भोपाल

शहर के सात नंबर बस स्टॉप पर स्थित सागर गैरे आउटलेट के भोजन में कीड़े मिलने का मामला सामने आया है। तो वहीं शहर में 10 रुपये के मैंगो शेक और 20 रुपये की लस्सी में सिंथेटिक एसेंस सहित अन्य हानिकारक पदार्थ मिलने की शिकायतें कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को मिली हैं। इस पर उन्होंने खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम को दोनों जगह जांच कर नमूने लेने के निर्देश दिए थे। इसके बाद टीमों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और करीब 24 से अधिक नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं।

जानकारी के अनुसार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को सात नंबर बस स्टाप स्थित सागर गैरे आउटलेट के भोजन में कीड़े पाए जाने की शिकायत मिली थी। इसके बाद कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया। जहां खाद्य पदार्थों के रखरखाव और स्वच्छता व्यवस्था में अनियमितताएं पाई गईं। स्वच्छता मानकों का उल्लंघन और खाद्य सुरक्षा नियमों की अनदेखी पाए जाने पर,संस्थान के संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया गया है। साथ ही गुणवत्ता की जांच के लिए खाद्य पदार्थों के नमूने राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले नोटिस के माध्यम से संचालक को 14 दिवस की समयावधि के भीतर परिसर की स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों में सुधार करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में सुधार न होने की स्थिति में प्रतिष्ठान का लाइसेंस निलंबित/निरस्त करने की चेतावनी भी दी गई है। इन प्रतिष्ठानों से लिए जूस व लस्सी के नमूनेजिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायतें मिल रही थी कि विक्रेताओं द्वारा मैंगो शेक व अन्य जूस में हानिकारक कृत्रिम रंग, सिंथेटिक एसेंस, थिकनर और भारी मात्रा में सैकरीन का उपयोग किया जा रहा है। यह स्वास्थ्य के लिए घातक है।

टीम ने कई खाने की चीजों के लिए नमूने

इससे टीम ने गुरुवार को अशोकागार्डन के न्यू फेमस एंड रेस्टोरेंट से मैंगो जूस, लस्सी, मैदा, गुलाब जामुन व मठरी के नमूने लिए हैं। इसके अलावा बरखेड़ी बांबे जूस कार्नर, एमपीनगर घमंडी लस्सी,इंद्रपुरी आदर्श जूस सेंटर,बुधवारा बांबे जूस सेंटर, रंगमहल चौराहा आगरा समोसा कार्नर,इब्राहिमपुरा फेमस जूस कार्नर, पीरगेट कृष्णा लस्सी कार्नर, घोड़ानक्कास गुजरात कोल्डड्रिंक एंड जूस सेंटर से नकली एसेंस और रसायनों का संदेह पर करीब 24 नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

गर्मी में बापू के भक्त कर रहे शीतल शरबत सेवा

भोपाल

युवा सेवा संघ एवं महिला उत्थान मण्डल के सामूहिक तत्वावधान में लालघाटी चौराहे पर हजारों राहगीरों एवं मजदूरों को तप्ति धूप में शीतल पलाश शरबत एवं पुलाव का वितरण किया। बापू के अनुयायी हरीश मेहरचंदानी ने बताया कि संत श्री आशारामजी बापू के भक्तों द्वारा लोक सेवा के विभिन्न प्रकल्प चलाए गए हैं , इसमें हर साल गर्मी के मौसम में भोपाल के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर शीतल शर्बत वितरण सेवा का अभियान चलाया जाता हैं। बापूजी की समाजोत्थान

की सेवा के लिए भक्तों को हमेशा प्रेरित करते हैं। भक्तों द्वारा निरंतर नर सेवा,-नारायण सेवा÷ का अभियान पूरे भोपाल में जारी है। इस मौके पर मुख्य सेवादार रितेश राजदेव,ओम थरानी, रवि पाटिल, विक्की पारवानी, रोहित शर्मा, दीपक नागर, नरेश तीर्थानि एवं महिला उत्थान मंडल के प्रभारी राधा वाधवानी, कृष्णा मालानी, दया तीर्थानि व लालघाटी क्षेत्र के मुख्य सदस्य सेवा में उपस्थित थे।

आरपीएफ महानिदेशक ने किया रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

सुरक्षा में मिली कई खामियां, सुधार के दिए निर्देश

भोपाल

उज्जैन में 2028 में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध सिंहस्थ मेला की तैयारियों को लेकर भले ही पश्चिम रेलवे मंडल ने तैयारियां शुरू करने का दावा कर रही है, लेकिन आरपीएफ महानिदेशक सोनाली मिश्रा को भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक की तरफ परिसर में निरीक्षण में सुरक्षा की भारी खामियां देखने को मिली।

मिश्रा ने इस अव्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए इन खामियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेलवे अधिकारियों और आरपीएफ से कहा कि मेले में भले ही समय है, लेकिन अभी से भोपाल समेत सभी स्टेशनों पर सुरक्षा को सर्वोपरि और पहली

प्राथमिकता में रखे। उन्होंने कहा कि उनके अगले दौरे से पहले ये सब व्यवस्थित दिखना चाहिए।

डीजी मिश्रा को भोपाल स्टेशन परिसर में ही कई खामियां देखने मिली। जैसे असामाजिक तत्व, भिखारियों का प्रवेश, स्टेशन के प्रवेश द्वार पर बेतरतीब खड़े ऑटो- मिनी रिक्शा, अव्यवस्थित ऑटो स्टेंड और वाहन पार्किंग देख उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों के साथ नर्मदा क्लब में सुरक्षा एवं डीआरएम कार्यालय सभागृह में उच्चस्तरीय बैठक ली। इसमें सिंहस्थ मेले के दौरान संभावित भारी यात्री आवागमन, सुरक्षा व्यवस्था, सुविधाओं तथा प्रभावी भीड़ प्रबंधन को लेकर चर्चा की और सुझाव भी मांगे। बैठक में डीआरएम पंकज त्यागी समेत मंडल के सुरक्षा और आरपीएफ-जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

आज सेवासदन ट्रस्ट दृष्टि मित्रों का करेगा सम्मान

संतनगर. सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट की स्थापना के 40 वर्ष पूर्ण होने पर आज भजन क्लबिंग समारोह आयोजित किया जाएगा। संध्या छह से रात्रि 8:30 बजे तक रखा गया है, जिसमें मोहित शेवानी अपनी हृदय बैंड के साथ भजनों को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम एयरपोर्ट रोड पर नवनिर्मित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय परिसर में होगा। बता दे सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय अब एयरपोर्ट रोड पर अपने नये भवन में शिफ्ट हो गया है। इस भवन को बनवाने में हांगकांग के दानदाता कान.एच. लखानी ने आर्थिक सहयोग दिया। लखानी इन दिनों अपने परिवार के साथ भोपाल आये हुए हैं। उनके सहयोग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और दृष्टि मित्रों के सम्मान में उसी दिन संध्या में भजन क्लबिंग कार्यक्रम रखा गया है।

नवाचार शहर के 39 थाना क्षेत्रों में जनता के बीच 'सृजन संवाद कार्यक्रम' आयोजित

पुलिस कमिश्नर ने 80 दिन में 70 स्थानों पर किया जनसंवाद

भोपाल

राजधानी में पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने सीधे जनता के बीच पहुंचकर संवाद करके एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने पिछले 80 दिनों के भीतर 39 अलग-अलग थाना क्षेत्रों में भ्रमण करके 70 स्थानों पर जनता से संवाद किया। यह अब तक किसी पुलिस कमिश्नर की तरफ से किया गया पहला नवाचार हैं जो पुलिस मुख्यालय में चर्चा का विषय बन गया है।

पुलिस कमिश्नर से सुनियोजित तरीके से जनसंवाद कार्यक्रम को सृजन संवाद नाम देते हुए गरीब बस्ती को पहले फोकस किया। इस संवाद के दौरान पुलिस कमिश्नर ने अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय अशासकीय संस्थाओं से

जुड़कर समस्याओं को चिन्हित करने का भी काम किया। इसके अलावा पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने युवाओं के बीच पहुंचकर सामुदायिक पुलिसिंग, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति, कैरियर मार्गदर्शन, जेंडर आधारित भेदभाव, बाल संरक्षण, सामाजिक न्याय एवं बच्चों के पुनर्वास जैसे विभिन्न संवेदनशील विषयों पर गंभीरता बरतने को लेकर मुहिम चलाई। 'सृजन संवाद' का मुख्य उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना एवं युवाओं को अपराध एवं नशे से दूर रखते हुए मुख्यधारा से जोड़ना है। भोपाल पुलिस कमिश्नर ने इसकी शुरुआत 14 फरवरी से शुरु की थी। उन्होंने 05 मई को आखिरी बार संवाद किया। संवाद के जरिए ही ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित पार्किंग, पुलिस गश्त, सीसीटीवी निगरानी, रात्रि सुरक्षा, नशा कारोबार, अवैध हथियारों की गतिविधियों एवं सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रमुख रूप से उन्हें सीधे जनता से पता चली। जिस कारण उन्होंने कई बदलाव जमीनी स्तर पर इस दौरान किए हैं। इस कारण जनता से सीधा संवाद करके पुलिस विभाग की छवि को सुधारने में यह नवाचार काफी चर्चित हो चुका है।

काली पट्टी बांध कर्मियों ने की मांग

भोपाल। भेल कारखाने में इंसेंटिव रिवीजन की मांग को लेकर सीटू यूनियन का चरणबद्ध आंदोलन चौथे दिन भी जारी है। यूनियन पदाधिकारी गुरुवार को भेल के 2 नंबर ब्लॉकों में जाकर कर्मचारियों से संपर्क कर उन्हें काला बैच लगाकर विरोध दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। यूनियन के कार्यकारी महामंत्री दीपक गुप्ता ने कहा कि यदि भेल प्रबंधन जल्द ही इंसेंटिव रिवीजन को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाता है, तो यूनियन आंदोलन को और तेज करते हुए उग्र रूप देने के लिए बाध्य होगी।

जनादेश बनाम संवैधानिक प्रक्रिया

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने राज्य की पारंपरिक द्रविड़ राजनीति को हिलाकर रख दिया है। अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की नई पार्टी, तमिलगा वेट्ट्री कज़गम, 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, जो एक ऐतिहासिक डेब्यू है। हालांकि, इस शानदार सफलता के बावजूद, टीवीके प्रमुख विजय और राज्यपाल आर.एन. रवि के बीच सरकार गठन को लेकर चल रही खींचतान ने एक संवैधानिक और राजनीतिक गतिरोध पैदा कर दिया है। राज्यपाल ने विजय के सरकार बनाने के दावे को यह कहकर खारिज कर दिया कि वे 234 सदस्यीय विधानसभा में 118 के जादुई आंकड़े (बहुमत) से पीछे हैं। 108 सीटों के साथ, कांग्रेस के 5 विधायकों के समर्थन के बाद भी टीवीके का आंकड़ा 113 तक ही पहुंच पाया है, जो बहुमत के लिए आवश्यक संख्या से 5 कम है। राज्यपाल की ओर से यह मांग उचित लग सकती है कि जब तक कोई स्पष्ट बहुमत न हो, तब तक सरकार बनाने का आमंत्रण नहीं दिया जा सकता।

दूसरी ओर, टीवीके का तर्क है कि वे सबसे बड़ी पार्टी हैं और राज्यपाल को उन्हें सरकार बनाने का मौका देना चाहिए ताकि वे सदन के पटल पर बहुमत साबित कर सकें, न कि राजभवन में। तमिलनाडु की जनता ने बदलाव के लिए वोट किया है, और एक बड़ी पार्टी को सरकार बनाने से रोकना, लोकतांत्रिक जनादेश के विरुद्ध माना जा सकता है। लेफ्ट पार्टियों ने भी राज्यपाल की भूमिका पर सवाल उठाते हुए इसे अलोकतांत्रिक बताया है। राज्यपाल को संविधान के दायरे में रहते हुए, सबसे बड़े दल को सरकार बनाने का मौका देने और सदन के पटल पर 'बहुमत परीक्षण' की परंपरा का पालन करने के बीच संतुलन बनाना होगा। तमिलनाडु में यह गतिरोध न केवल विजय के लिए, बल्कि राज्य में उभरती नई राजनीतिक शक्ति के लिए भी एक बड़ी परीक्षा है। लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए, जनता के फैसले को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर विशेष

संकट की घड़ी में जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है।

8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतरराष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की। भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया।

वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयंसेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

जैव विविधता के लिए सतत कृषि की आवश्यकता, महिलाओं की अहम् भूमिका

संजय गोस्वामी
स्तंभकार

सतत् कृषि का तात्पर्य कृषि और खाद्य उत्पादन के लिये एक समग्र दृष्टिकोण से है जिसका उद्देश्य कृषि प्रणालियों की दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करते हुए तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिये प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करते हुए भोजन एवं फाइबर की वर्तमान ज़रूरतों को पूरा करना है। इसमें फसल प्रतिरूप, जैविक खेती, सामुदायिक सहायक कृषि आदि जैसी विभिन्न प्रथाओं और सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो पर्यावरणीय प्रबंधन, आर्थिक लाभप्रदता तथा सामाजिक समानता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ऐसी प्रथाएँ जो पारिस्थितिक तंत्र, मृदा, जल और जैवविविधता पर प्रभाव को कम करती हैं। इसमें ऐसी पद्धतियों का प्रयोग करना शामिल है जो मृदा-अपरदन को कम करते हैं, जल का संरक्षण करते हैं और रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के प्रयोग से बचते हैं या कम करते हैं। मृदा की उर्वरता और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिये फसल चक्र, कवर क्रॉपिंग और कृषि-वानिकी जैसी तकनीकों को नियोजित किया जाता है। यह सुनिश्चित करना कि कृषि पद्धतियाँ किसानों के लिये आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों, जिससे वे अपनी आजीविका बनाए रखते हुए उचित आय अर्जित कर सकें। इसमें ऐसी रणनीतियाँ शामिल हैं जो उत्पादकता बढ़ाती हैं, उत्पादन लागत कम करती हैं और स्थायी रूप से उत्पादित वस्तुओं के लिये बाज़ार खोलती हैं। सामाजिक समताः किसानों, उपभोक्ताओं और खाद्य प्रणाली में अन्य हितधारकों के बीच निष्पक्ष एवं न्यायसंगत संबंधों को बढ़ावा देना। इसमें खेतिहर मज़दूरों के लिये उचित वेतन और काम करने की स्थिति सुनिश्चित करना, ग्रामीण समुदायों का समर्थन करना एवं सभी के लिये स्वस्थ व पौष्टिक भोजन तक पहुँच को बढ़ावा देना शामिल है।

जलवायु परिवर्तन के प्रति समुत्थानशीलताः ऐसी कृषि प्रणालियों का निर्माण करना जो जलवायु परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के प्रति समुत्थानशील हों। सतत् कृषि पद्धतियों का लक्ष्य बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल ढलना, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और समग्र जलवायु समुत्थानशक्ति में योगदान करना है। फसलों और पशुओं में विविध पारिस्थितिक तंत्र तथा आनुवंशिक विविधता का समर्थन करना, कीटों, बीमारियों और पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति समुत्थानशीलता के लिये जैवविविधता को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। इसमें स्थानीय और स्वदेशी फसल किस्मों को संरक्षित करना, साथ ही वन्यजीवों व परागणकों का समर्थन करने वाले विविध परिदृश्यों को बढ़ावा देना शामिल है। भारत में सतत् कृषि की सीमाएँ क्या हैं? उच्च श्रम मांगः सतत् कृषि के लिये प्रायः पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक शारीरिक श्रम की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसमें फसल चक्र, अंतर-फसल, जैविक उर्वरक और कीट प्रबंधन जैसी प्रथाएँ शामिल होती हैं। इससे उत्पादन लागत बढ़ सकती है और किसानों की लाभप्रदता कम हो सकती है। समय की खपतः सतत् कृषि के कार्यान्वन में और उपज प्राप्त करने में पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक समय लगता है क्योंकि यह प्राकृतिक प्रक्रियाओं तथा क्रमिक प्रगति पर निर्भर करती है। यह उन किसानों को हतोत्साहित कर सकता है जिन्हें तत्काल उपज की आवश्यकता होती है तथा उन्हें मौसम, बाज़ार एवं नीति परिवर्तन जैसी अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। सीमित उत्पादन क्षमताः सतत् कृषि भारत में खाद्यान्न की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकती है क्योंकि विशेषकर अल्पावधि में इसमें पारंपरिक कृषि की तुलना में कम पैदावार होती है। यह विशेषकर एक बड़े तथा बढ़ती आबादी वाले देश में खाद्य सुरक्षा तथा गरीबी उन्मूलन के लिये एक चुनौती उत्पन्न कर सकता है।

हाल ही में श्रीलंकाई संकट जैविक कृषि की ओर स्थानांतरित करने के प्रयास के कारण उत्पन्न हुआ था। इसके परिणामस्वरूप चावल, जो कि श्रीलंका का प्रमुख आहार है, की औसत पैदावार में लगभग 30% की कमी देखी गई। उच्च पूंजी लागतः सतत् कृषि के लिये बुनियादी ढाँचे, उपकरण व इनपुट जैसे सिंचाई प्रणाली, सूक्ष्म सिंचाई उपकरण, जैविक उर्वरक एवं बीज में उच्च निवेश की आवश्यकता हो सकती है। यह उन छोटे तथा सीमांत किसानों के लिये एक बाधा हो सकता है जिनके पास ऋण तथा सब्सिडी तक पहुँच नहीं है। भंडारण और विपणन चुनौतियाँ: भारत में सतत् कृषि को भंडारण तथा विपणन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि यह खराब होने वाले तथा विविध उत्पादों का उत्पादन करती है जिनके लिये उचित प्रबंधन एवं पैकेजिंग की आवश्यकता होती है। इससे फसल कटाई के बाद का नुकसान बढ़ सकता है तथा उपज की विपणन क्षमता कम हो सकती है, विशेष रूप से पर्याप्त प्रामाणीकरण एवं लेबलिंग प्रणालियों के अभाव में जो गुणवत्ता व उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती हैं। सतत् कृषि पर राष्ट्रीय मिशन परंपरागत कृषि विकास योजना कृषि वानिकी पर उप-मिशन राष्ट्रीय कृषि विकास योजना उत्तर पूर्वी क्षेत्र हेतु मिशन जैविक मूल्य शृंखला विकास किसानों को प्रत्यक्ष भुगतान, जैविक आदानों के लिये सब्सिडी और फसल बीमा जैसी स्थायी प्रथाओं को अपनाने हेतु वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करना, सतत् कृषि प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं के अनुसंधान तथा विकास में निवेश करना, किसानों को टिकाऊ कृषि पर प्रशिक्षण और जानकारी प्रदान करने के लिये कृषि विस्तार सेवाओं को मज़बूत करना, बेहतर बुनियादी ढाँचे, विपणन सहायता और उपभोक्ता जागरूकता अभियानों के माध्यम से स्थायी रूप से उत्पादित भोजन के लिये बाज़ार पहुँच में सुधार करना, भूमि समेकन कार्यक्रमों के माध्यम से भूमि विखंडन को संबोधित करना और संयुक्त कृषि पहल को बढ़ावा देना, पर्यावरण नियमों और उनके कार्यान्वयन को मज़बूत करना, भूमि स्वामित्व अधिकार, ऋण और संसाधनों तक पहुँच तथा निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भागीदारी के माध्यम से कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाना है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

खतरनाक हो सकती है डायबिटिक न्यूरोपैथी, शुगर के मरीजों के लिए सावधानी जरूरी

डायबिटीज दुनियाभर में एक गंभीर रोग बनता जा रहा है। यह अपने साथ कई हेल्थ प्रॉब्लम्स लेकर आता है, जिसमें एक है डायबिटिक न्यूरोपैथी। यह रोग इतना गंभीर है कि अगर इसका इलाज समय पर न किया गया तो कई बार रोगी का चलना-फिरना तक बंद हो सकता है। डायबिटीज के कई रोगियों को इसकी जानकारी नहीं होती। डायबिटिक न्यूरोपैथी एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लंबे समय तक बढ़ा हुआ ब्लड शुगर नसों को नुकसान पहुंचाता है। हमारे शरीर में नसें संदेश पहुंचाने का काम करती हैं जैसे दर्द, गर्मी, ठंड या स्पर्श का एहसास। जब ब्लड में ग्लूकोज की मात्रा ज्यादा हो जाती है, तो यह नसों के साथ प्रतिक्रिया करके उन्हें धीरे-धीरे कमजोर और डैमेज कर देती है।

इस स्थिति में रोगी खासतौर पर पैरों, टांगों, हाथों और बाहों में झुनझुनी, जलन, सुन्नता या दर्द महसूस हो सकता है। कुछ लोगों में यह समस्या पाचन तंत्र, दिल की धड़कन और अन्य शारीरिक क्रियाओं को भी प्रभावित कर सकती है।

डायबिटिक न्यूरोपैथी का मुख्य कारण लंबे समय तक हाई ब्लड शुगर का स्तर है। नसों को सही तरीके से काम करने के लिए ऑक्सीजन और पोषण की जरूरत होती है, जो छोटी रक्त वाहिकाओं के माध्यम से मिलता है। जब शुगर का स्तर लगातार ज्यादा रहता है, तो ये केशिकाएं खराब हो जाती हैं और नसों तक पर्याप्त पोषण नहीं पहुंच पाता। डायबिटीज के रोगी की नसें अचानक डैमेज नहीं होतीं, यह स्थिति धीरे-धीरे बढ़ती है। कई बार शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। जब केशिकाएं (कैपिलरी) खराब हो जाती हैं, तो नसों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है। इससे नसें कमजोर होने लगती हैं। लंबे समय तक हाई शुगर रहने से शरीर में हानिकारक केमिकल बनने लगते हैं, जो नसों को नुकसान पहुंचाते हैं।

डायबिटिक न्यूरोपैथी से पूरी तरह बचना हमेशा संभव नहीं होता, लेकिन इसे रोका या धीमा जरूर किया जा सकता है। ब्लड शुगर की नियमित जांच करें और उचित दवाइयों तथा इंसुलिन का सेवन करें। डायबिटीज के रोगी के लिए समय-समय पर ब्लड शुगर, ॥ड्ड1ष्ठ और पैरों की जांच करवाना जरूरी है। इससे समस्या को शुरुआती स्टेज में ही पकड़ा जा सकता है। ऐसा भोजन करें जिसमें फाइबर, साबुत अनाज, हरी सब्जियां, फल, प्रोटीन और हेल्दी फैट हों। ज्यादा मीठे, तले हुए और प्रोसेस्ड फूड खाने से बचें। हर दिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलना, योग या साइकिल चलाना बहुत फायदेमंद होता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और शुगर कंट्रोल में रहता है। डायबिटिक न्यूरोपैथी में पैरों की देखभाल बहुत जरूरी है, क्योंकि सबसे पहले असर अक्सर पैरों पर ही दिखाई देता है। ये आदतें नसों को सुरक्षित रखने में मदद करती हैं और पैरों की समस्याओं का खतरा कम करती हैं।

सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो, जो चाहोगे वहीं पाओगे।

-अज्ञात

निशाना

नैनों में आँसू भरे..!

कान्ति शुक्ला

जो परोक्ष में उठ रहा, मन में अन्तर्द्वन्द ।
गीत ग़ज़ल में ढ़ल रहा, बनते मधुरिम छंद।
संवेदन घट रिक्त अब , नहीं व्यापती पीर
पाहन काया कर गया, हो मानस स्वच्छंद।
नैनों में आँसू भरे,अधरों पर मुस्कान
मानस राग विराग युत, जकड़े माया फंद।
भाव मधुर वाणी मधुर, तो जीवन आदर्श
रहे हृदय शुचिता सदा, चित्त रहे निर्द्वन्द।
कण-कण में प्रभु रम रहे, अणु-अणु में आभास
कैसे भय संचार हो , कैसा अंतस द्वन्द।

गैजेट्स ऑनलाइन

फ्लिपकार्ट पर इस वीकेंड सस्ते स्मार्टफोन का मेला आईफोन, मोटोरोला और पिक्सल पर अच्छी डील

9 मई से फ्लिपकार्ट पर सासा सेल शुरू होने वाली है। इस सेल में आईफोन 16 को 36,999 रुपये में खरीद पाएंगे। इसके अलावा, मोटोरोला edge 60 Fusion सेल में 19,999 रुपये का मिलेगा। इसके अलावा, गूगल पिक्सल फोन पर भी तगड़ा ऑफर दिया जाएगा। इस सेल में आईफोन से लेकर सैमसंग, मोटोरोला, ओप्पो और वीवो के स्मार्टफोन पर तगड़ा डिस्काउंट मिलेगा। प्लस और ब्लैक मेंबर के लिए सेल 24 घंटे पहले यानी 8 तारीख को शुरू हो जाएगी। सेल शुरू होने से पहले ही ऑफर लाथि हो गए हैं। आईफोन 17 को सेल के दौरान 71,900 रुपये में खरीद पाएंगे। इसके अलावा, आईफोन 16 फोन 58,900 रुपये में मिलेगा। Moto Edge 60 Pro फोन सेल में 36,999 रुपये में खरीद पाएंगे। इसके अलावा, Samsung Galaxy S25 FE सेल में 43,999 रुपये में मिलेगा।

इन आईफोन्स पर गजब ऑफरः फ्लिपकार्ट सेल में iPhone 16e को 55,900 रुपये में खरीद पाएंगे। वहीं, iPhone 17e फोन 60,900 रुपये में मिलेगा। iPhone 16 Plus सेल में 73,900 रुपये में खरीद पाएंगे। आईफोन 17 सेल में 71,900 रुपये और आईफोन 16 फोन 58,900 रुपये में मिलेगा।?

सैमसंग के लेटेस्ट फोन पर भी छूटः सैमसंग के फोन्स पर भी तगड़ा डिस्काउंट होगा। Samsung Galaxy S25 सेल में 53,999 रुपये का मिलेगा।

Samsung Galaxy S26 Itra फोन सेल में 1,30,999 रुपये में खरीद पाएंगे। इसके अलावा, Galaxy A57 फोन को 49,999 रुपये में खरीदा जा सकेगा। ?

मोटोरोला के फोन्सः Motorola edge 60 Fusion सेल में 19,999 रुपये का मिलेगा। सेल में Moto Edge 60 Pro फोन 27,999 रुपये की शुरुआती कीमत में खरीद पाएंगे।

साथ ही, Motorola Edge 70 सेल में 27,999 रुपये का मिलेगा।अन्य फोन्स पर ऑफर्सः Realme GT 7T को सेल में 29,499 रुपये में । Google 10A फोन 44,999 रुपये में मिलेगा। Oppo Reno 14 5G फोन को सेल में 36,999 रुपये में खरीदने का मौका मिलेगा।

अजब - गजब

अफ्रीका के बीहड़ में खुला ब्यूटी पार्लर, बिना कैंची के गर्म खपड़े से बना डाला हेयरस्टाइल!

सोशल मीडिया इन दिनों अनोखे और हैरतअंगेज वीडियोज से भरा पड़ा है। हाल ही में अफ्रीका के एक बीहड़ इलाके का एक ऐसा वीडियो वायरल हुआ है जो देखकर हर कोई हैरान रह गया। यहां ब्यूटी पार्लर तो खुला है, लेकिन आधुनिक औजारों का नामोनिशान नहीं है। एक महिला दूसरे महिला के बाल काट रही है और वो भी बिना कैंची के।

वायरल वीडियो में दीखता है कि बाल काटने के लिए इस्तेमाल हो रहा है आग में गर्म किया गया मिट्टी का खपड़ा। दूर-दराज के गांव में खुले आसमान के नीचे महिला क्लाइंट को बैठाकर उसके बाल संवार रही है। उसने सबसे पहले मिट्टी के टूटे हुए खपड़ों को आग पर अच्छे से गर्म कर लिया। फिर गर्म खपड़े को बालों के बीच में फेरते हुए सावधानी से उसे शेप देने लगी। गर्म सतह बालों को आसानी से काट रही थी और आश्चर्यजनक रूप से साफ हेयरस्टाइल बन रहा था।

इस हेयरस्टाइल के दौरान क्लाइंट चुपचाप बैठी पूरी प्रक्रिया एंजॉय कर रही थी। वीडियो देखकर यूजर्स कमेंट्स में लिख रहे हैं - 'आज के सैलून वाले फेल हो जाएंगे ', 'गर्म खपड़ा देखकर रोंगटे खड़े हो गए ', 'अफ्रीका की जुगाड़ वाली ब्यूटी टेक्नीक कमाल की है ', 'कैंची की जरूरत ही नहीं '। वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों को अफ्रीकी गांवों की पारंपरिक जीवनशैली से रू-ब-रू करा रहा है। अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में आज भी आधुनिक सुविधाएं नहीं पहुंची हैं। वहां की महिलाएं सदियों पुरानी पारंपरिक तकनीकों का इस्तेमाल करती हैं। गर्म मिट्टी के खपड़े या पत्थरों से बाल काटना उनमें से एक है.। गर्म सतह बालों को बिना झटके काट देती है और साथ ही कुछ हद तक स्ट्रेट भी कर देती है। इससे सैलून जैसा लुक मिल जाता है। यह तरीका सिर्फ बाल काटने तक सीमित नहीं है, अफ्रीकी महिलाएं प्राकृतिक चीजों से हेयर केयर भी करती हैं। वे नारियल तेल, विभिन्न जड़ी-बूटियों और मिट्टी से हेयर मास्क बनाती हैं।

आज भी हैं बेहद पिछड़ेः सोशल मीडिया यूजर्स इस वीडियो को देखकर भारतीय जुगाड़ से भी तुलना कर रहे हैं। कई लोग लिख रहे हैं कि गांवों में आज भी दादी-नानी पुराने तरीकों से बाल संवारती हैं। एक यूजर ने कमेंट किया - 'हमारे यहां भी पहले कैंची नहीं होती थी, चाकू या तेज धार वाली चीजों से काम चलता था। ' यह वीडियो ना सिर्फ एंटरटेनमेंट दे रहा है बल्कि सांस्कृतिक विविधता को भी दिखा रहा है। अफ्रीका के विभिन्न देशों जैसे केन्या, तंजानिया, घाना आदि के गांवों में ऐसी पारंपरिक ब्यूटी प्रैक्टिस आम है। जहां शहरों में हजारों रुपए खर्च करके हेयर कट कराया जाता है, वहीं इन गांवों में कुछ रुपए या सामान के बदले काम हो जाता है। वीडियो वायरल होने के बाद कई लोग इसकी लोकेशन जानने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ का कहना है कि यह पश्चिम अफ्रीका का कोई गांव हो सकता है।

केदारनाथ यात्रा पर मौसम का कहर

बारिश और बर्फबारी के कारण पड़ावों पर रोके 5000 यात्री

रुद्रप्रयाग। भारी वर्षा व बर्फबारी केदारनाथ यात्रा की राह में चुनौती बनती जा रही है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने गुरुवार दोपहर बाद केदारनाथ जाने वाले और वहां से लौट रहे पांच हजार से अधिक यात्रियों को गौरीकुंड व सोनप्रयाग समेत पैदल मार्ग के विभिन्न पड़ावों पर रोक दिया।इसके अलावा दोपहर बाद धाम के लिए हेली सेवा का संचालन भी नहीं हुआ। हालांकि, गुरुवार को 17 हजार 500 यात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए। वहीं, बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम की यात्रा सुचारु है। प्रशासन की ओर से केदारनाथ यात्रा मार्ग से जुड़े सभी सेक्टर प्रभारियों, नोडल अधिकारियों व पुलिस-प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति में यात्रियों को संवेदनशील और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में आगे न बढ़ने दिया जाए। उन्हें निकटतम सुरक्षित स्थानों और होल्डिंग एरिया में ठहराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।मौसम सामान्य होने पर ही यात्रियों को आगे जाने की अनुमति दी जाए। सोनप्रयाग और गौरीकुंड में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसके अलावा यात्रा मार्ग की लगातार निगरानी रखने, यात्रियों को आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करने और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल जिला आपदा परिचालन केंद्र को देने के लिए कहा गया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है वे मौसम संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन का सहयोग करें।

न्यूज ट्रेक

जज ने एलन मस्क को लगाई फटकार; कहा- याद रहे, आप वकील नहीं

वॉशिंगटन। ओपनएआई मुकदमे में अदालत ने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को कड़ी फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान मस्क ने खुद कानूनी दलील देने की कोशिश की। इस पर कैलिफोर्निया की संघीय अदालत की जज इवॉन गोंजालेज रोजर्स ने कहा कि यहां उनकी नहीं, कोर्ट की चलेगी। जज ने सख्त लहजे में कहा कि अदालत की कार्यवाही ऐसे नहीं चलती। सबको याद रहे कि आप वकील नहीं हैं। बीबीसी के अनुसार, ओपनएआई के सह-संस्थापक एलन मस्क ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन पर चैरिटेबल ट्रस्ट के उल्लंघन और अनुचित आर्थिक लाभ हासिल करने का आरोप लगाया है। ओपनएआई का दावा है कि मस्क यह लड़ाई अपनी एआई कंपनी एक्सएआई को फायदा पहुंचाने के लिए लड़ रहे हैं। मस्क ने बाद में माना कि जज की बात सही है।जज रोजर्स ने कोर्ट के भीतर ही नहीं, बल्कि बाहर मस्क की गतिविधियों पर भी सख्त रुख दिखाया। उन्होंने सोशल एक्स पर टिप्पणियों को लेकर फटकार लगाई। मस्क ने एक्स पर ऑल्टमैन को स्कैम ऑल्टमैन कह निशाना बनाया था।

नोएडा एयरपोर्ट से बेंगलुरु के लिए उड़ेगी पहली फ्लाइट, खोला बुकिंग पोर्टल

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून 2026 से कमर्शियल उड़ान सेवाएं शुरू होने जा रही हैं। इंडिगो एयरलाइंस ने एयरपोर्ट से संचालित होने वाली उड़ानों का टाइम शेड्यूल जारी कर दिया है और टिकट बुकिंग भी शुरू कर दी है।एयरपोर्ट से पहली विशेष उद्घाटन उड़ानें 15 जून को संचालित होंगी। इनमें लखनऊ, बेंगलुरु और नोएडा के बीच कनेक्टिविटी दी जाएगी। इसके बाद 15 जून से हैदराबाद और अमृतसर के लिए नियमित दैनिक उड़ानें शुरू होंगी, जबकि 16 जून से जम्मू और बेंगलुरु रूट पर भी नियमित सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी। इंडिगो द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार यात्रियों को सुबह से शाम तक विभिन्न शहरों के लिए सीधी उड़ान सुविधा मिलेगी।

नोएडा हिंसा मामले की होगी मजिस्ट्रियल जांच, विशेष टीम गठित

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में 13 अप्रैल को श्रमिकों के धरना-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं की मजिस्ट्रियल जांच होगी। इस मामले में पीठासीन अधिकारी विशेष न्यायालय एवं अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार को जांच अधिकारी नामित किया गया है।प्रशासन ने पीड़ितों और आमजन से अपील की है कि वह घटना से जुड़े मौखिक, लिखित और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य 15 मई तक उपलब्ध करा दें।बता दें 13 अप्रैल को फेज-2 और सेक्टर-63 कोतवाली क्षेत्र में दो स्थानों पर श्रमिकों द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान कई जगहों पर हिंसक घटनाएं सामने आईं। जिससे कानून-व्यवस्था और लोक व्यवस्था प्रभावित हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा था।प्रशासन द्वारा अब पूरे घटनाक्रम की विस्तृत मजिस्ट्रियल जांच कराई जाएगी। जांच के यह पता लगाया जाएगा कि हिंसक प्रदर्शन किन कारणों और परिस्थितियों में हुआ।अधिकारियों का कहना है कि जांच निष्पक्ष और गहनता से की जाएगी, जिससे वास्तविक तथ्यों को सामने लाया जा सके। अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार का कहना है कि अगर किसी व्यक्ति के पास इस घटना से संबंधित कोई जानकारी, दस्तावेज, वीडियो, ऑडियो या अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य उपलब्ध हैं, तो वे उन्हें जांच अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ पर पीएम मोदी ने लिखा लेख

सोमनाथ केवल मंदिर नहीं हमारी सभ्यता का संकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर को लेकर एक भावनात्मक और ऐतिहासिक लेख लिखा है, अपने लेख में पीएम मोदी ने कहा कि साल 2026 की शुरुआत में उन्हें सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। यह आयोजन सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया गया था, जिसने मंदिर की शाश्वत और अटूट पहचान को दर्शाया।

11 मई को फिर जाएंगे सोमनाथ: प्रधानमंत्री ने लिखा कि अब 11 मई को उन्हें एक बार फिर सोमनाथ जाने का अवसर मिल रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होगी। उन्होंने कहा कि वह उस ऐतिहासिक क्षण को फिर से जीने जा रहे हैं, जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर का लोकार्पण किया था। पीएम मोदी ने इसे अपने लिए सौभाग्य की बात बताया कि छह महीनों के भीतर उन्हें सोमनाथ के इतिहास से जुड़े दो महत्वपूर्ण अवसरों का साक्षी बनने का मौका मिला।

शास्त्रों और इतिहास का किया उल्लेख

अपने लेख में पीएम मोदी ने प्राचीन शास्त्रों का उल्लेख करते हुए लिखा कि 'प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्', यानी दिव्य प्रभास यानी सोमनाथ की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान मानी गई है। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को केवल दर्शन नहीं, बल्कि भारत की हजारों साल पुरानी सांस्कृतिक निरंतरता का भी अनुभव होता है।

महान विभूतियों को किया याद

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ के इतिहास में योगदान देने वाली कई महान विभूतियों का उल्लेख किया। उन्होंने लकुलीश, सोम शर्मा, महाराज धारसेन चतुर्थ, भीम प्रथम, जयपाल, आनंदपाल, राजा भोज, कर्णदेव सोलंकी, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल सोलंकी, अहिल्याबाई होल्कर और गायकवाड़ों सहित कई शासकों और संतों के योगदान को याद किया। पीएम मोदी ने वीर हमीरजी गोहिल और वीर वेगड़ाजी भील जैसे योद्धाओं के साहस और बलिदान का भी उल्लेख किया। लेख में प्रधानमंत्री ने बताया कि स्वतंत्रता के समय सरदार वल्लभभाई पटेल सोमनाथ मंदिर की दुर्दशा से बेहद दुखी थे। उन्होंने 13 नवंबर 1947 को मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। पीएम मोदी ने कहा कि सरदार पटेल के इस आह्वान ने पूरे देश को नई ऊर्जा से भर दिया था।

विक्ट्री-डे से पहले बढ़ाई गई सुरक्षा

यूक्रेन ने सीजफायर तोड़ा रूस पर दागे सैकड़ों ड्रोन

मास्को, एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध एक बार फिर तेज होता दिख रहा है। रूस ने दावा किया है कि उसने गुरुवार रात यूक्रेन की ओर से दागे गए 347 ड्रोन मार गिराए। मॉस्को के मुताबिक, यह हमला 20 से ज्यादा रूसी क्षेत्रों को निशाना बनाकर किया गया था। इसे युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। इससे पहले मार्च में यूक्रेन ने 389 ड्रोन लॉन्च किए थे। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को समेत कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय करना पड़ा। गुरुवार दिन में भी यूक्रेन की ओर से कई और ड्रोन भेजे गए, जिनमें कुछ मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। इस हमले का असर राजधानी के हवाई यातायात पर भी पड़ा। मॉस्को के तीन बड़े एयरपोर्टशेरमेत्येवो, डोमोडेडोवो और वनुकोवो से करीब 100 उड़ानें रद्द या देर से संचालित हुईं।

विक्ट्री डे और एकतरफा युद्धविराम

यह तनाव ऐसे समय बढ़ा है जब रूस 9 मई को मनाए जाने वाले अपने सबसे अहम राष्ट्रीय आयोजन विक्ट्री डे की तैयारी कर रहा है। यह दिन दूसरे विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत जीत की याद में मनाया जाता है। रूस ने शुक्रवार और शनिवार के लिए एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी।

पाक हैंडलर्स के संपर्क में थे संदिग्ध आतंकी, खातों में आती थी रकम

एटीएस की तफ्तीश में बड़ा खुलासा

लखनऊ। बाराबंकी और गोरखपुर से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकी पिछले पांच महीने से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। हैंडलर्स ने उनको रकम भी भेजी थी। इसका खुलासा एटीएस की जांच में हुआ है। जांच एजेंसी सोशल मीडिया से मिले सुबूतों की तस्दीक कर रही है। जल्द दोनों आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी देगी।

एसटीएस ने बाराबंकी के दानियाल अशरफ और कुशीनगर के कृष्णा मिश्रा को गिरफ्तार किया था। बुधवार को एटीएस ने खुलासा किया था कि दोनों पाकिस्तानी हैंडलर्स शहजाद भट्टी और आईएसआई एजेंट्स के संपर्क में थे।

उनके कहने पर वह रक्षा प्रतिष्ठानों समेत अन्य तमाम प्रमुख व संवेदनशील स्थानों की रेकी कर रहे थे। वर्दीधारियों की हत्या करने की साजिश रच रहे थे। एटीएस के मुताबिक आरोपियों खातों में पैसों का ट्रांजेक्शन मिले हैं।

केंद्र के फैसले पर ओवैसी बोले- संविधान, भारत के लोगों से शुरू होता है

जन-गण-मन और वंदे मातरम बराबर नहीं

हैदराबाद, एजेंसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार के उस फैसले पर आपत्ति जताई है, जिसमें वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान जन गण मन के समान वैधानिक संरक्षण देने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह एक देवी की स्तुति है।

ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जन गण मन भारत और उसके लोगों का उत्सव मनाता है, किसी विशेष धर्म का नहीं। धर्म राष्ट्र नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि वंदे मातरम लिखने वाले बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ब्रिटिश शासन के प्रति सहानुभूति रखते थे और मुसलमानों के प्रति नकारात्मक सोच रखते थे।

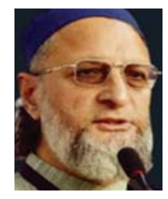

ओवैसी ने दावा किया कि नेताजी बोस, गांधी, नेहरू और टैगोर ने भी इसे राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार नहीं किया था।

संविधान का हवाला देते हुए ओवैसी ने कहा कि प्रस्तावना हम भारत के लोग से शुरू होती है, न कि भारत माता के नाम से। उन्होंने कहा कि संविधान भारत को राज्यों का संघ बताता है और देश किसी देवी-देवता के नाम पर नहीं चलता।ओवैसी ने यह भी कहा कि संविधान सभा में प्रस्तावना को देवी या ईश्वर के नाम से शुरू करने और उसके नागरिकों की जगह उसकी प्रजा लिखने जैसे संशोधन प्रस्तावित किए गए थे, लेकिन उन्हें खारिज कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि भारत यानी भारत के लोग। राष्ट्र कोई देवी नहीं है और यह किसी एक देवी-देवता का नहीं है।

2014 के बाद बदली भारतीय राजनीति की तस्वीर

देश में लगातार घट रही मुस्लिम विधायकों की संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी

देश भर में राज्य के विधानसभाओं में मुस्लिम विधायकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। यह बदलाव साल 2014 के बाद से ज्यादा देखा जा रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो BJP के बढ़ते असर और विपक्ष की टिकट बांटने की बदलती रणनीति ने मिलकर विधानसभाओं में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व को कम करने का काम किया है।

आंकड़ों से पता चलता है कि देश में मुस्लिम विधायकों की संख्या 2013 के 339 से घटकर 282 रह गई है। यह गिरावट उन राज्यों में सबसे ज्यादा रही है जो चुनावी नजरिए से सबसे ज्यादा अहमियत रखते हैं। इसमें सबसे पहला नाम उत्तर प्रदेश का है, जहां मुसलमानों की आबादी लगभग 19% है, वहां अब 403 सदस्यों वाले सदन में सिर्फ 31 मुस्लिम विधायक हैं, जो पहले 63 थे।

बंगाल, बिहार सहित राजस्थान में घटी संख्या

पश्चिम बंगाल में यह संख्या 59 से घटकर 37 हो गई है, जबकि बिहार में यह आंकड़ा 19 से घटकर 11 और राजस्थान में 11 से घटकर 6 रह गया है। हालांकि

यह सिर्फ BJP की बात नहीं है, देश भर के सभी पार्टियों में यही हाल है। कई राज्यों में तो कुछ पार्टियों ने बहुत कम मुस्लिम उम्मीदवारों के साथ बड़े जनादेश भी हासिल किए हैं।जिससे उसके प्रतिद्वंद्वियों को अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व को व्यापक जाति और समुदाय के समीकरणों के साथ संतुलित करने पर मजबूर होना पड़ा है। बंगाल और असम (जहां BJP ने 90 सीटों पर चुनाव लड़ा और 82 सीटें जीतीं) BJP ने वहां इस बार कोई भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा, जबकि 2021 में बंगाल में उसने नौ और असम में आठ मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे।

असम में BJP ने अल्पसंख्यक इकाई को भंग किया

असम में BJP ने अपने सभी मुस्लिम उम्मीदवारों के चुनाव हारने के तुरंत बाद अपनी अल्पसंख्यक इकाई को भंग कर दिया। राष्ट्रीय स्तर पर, BJP के पास केवल दो मुस्लिम विधायक हैं। मणिपुर से अचाब उद्दीन और त्रिपुरा से तफज्जुल हुसैन। यह अंतर बहुत ज्यादा है। बंगाल में, मुसलमानों की आबादी लगभग 27% है, लेकिन अब विधानसभा में उनका प्रतिनिधित्व केवल 12.6% है। बिहार में, उनकी आबादी लगभग 17% है, लेकिन उनके पास विधानसभा की लगभग 4.5% सीटें हैं। असम में, जहां मुसलमानों की आबादी कुल आबादी के एक-तिहाई से भी ज्यादा है, वहां विधानसभा में उनका प्रतिनिधित्व लगभग 17% है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में मुसलमानों की आबादी 10% से ज्यादा होने के बावजूद, विधानसभा में मुस्लिम विधायकों का प्रतिनिधित्व केवल 3-4% है।कांग्रेस के पास सबसे ज्यादा 61 मुस्लिम विधायक हैं, उसके बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास 39, और तृणमूल और समाजवादी पार्टी के पास 34-34 विधायक हैं। केरल, जम्मू और कश्मीर और तमिलनाडु ऐसे राज्य हैं जहां मुसलमानों का प्रतिनिधित्व अब भी बेहतर स्थिति में है।

इस महीने के अंत में पाकिस्तान का करना है दौरा, शेड्यूल जारी

अब आईपीएल प्लेऑफ नहीं खेलेंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 23 मई को तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान पहुंचेगी। आईपीएल टूर्नामेंट के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। पीसीबी के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचेगी। उस वक्त आईपीएल लीग स्टेज अपने अंजाम पर होगा, जबकि प्लेऑफ स्टेज चालू होने वाला होगा।

आईपीएल का आखिरी लीग मैच 24 मई को खेला जाएगा। इसके बाद 26 मई से प्लेऑफ स्टेज की शुरुआत होगी। वहीं, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 30 मई को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दो और चार जून को दूसरा और तीसरा मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। तीनों मैच स्थानीय समय के अनुसार शाम साढ़े चार बजे शुरू होंगे। टॉस शाम चार बजे होगा। यानी पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया सीरीज आईपीएल 2026 के प्लेऑफ शेड्यूल से टकराएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के क्रिकबज को बताया है कि वह अपने खिलाड़ियों को पाकिस्तान में होने वाली वनडे सीरीज के कारण आईपीएल बीच में छोड़ने के लिए मजबूर नहीं करेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में बने रहेंगे और अपनी सभी प्रतिबद्धताएं पूरी करेंगे। फिलहाल करीब एक दर्जन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया के नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस और मिचेल मार्श शामिल हैं। भारत में मौजूद अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में ट्रेविस हेड, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंग्लिस, कैमरून ग्रीन, मिचेल स्टार्क और मैथ्यू शॉर्ट जैसे बड़े नाम शामिल हैं। क्रिकबज ने प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पसंदीदा मानी जा रही सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स की टीमों से भी संपर्क किया। दोनों फ्रेंचाइजियों के अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनके सभी खिलाड़ी, जिनमें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी शामिल हैं, अपने अनुबंध का पूरी तरह सम्मान करेंगे और सीजन के बीच में टीम नहीं छोड़ेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी अभी तक पाकिस्तान दौरे के लिए टीम का चयन नहीं किया है।

ये खिलाड़ी सीरीज से रह सकते हैं दूर

पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड जैसे खिलाड़ियों को अगस्त में बांग्लादेश में टेस्ट सीरीज पर ध्यान देने के लिए आराम दिया जा सकता है, जबकि कूपर कोनोली, जेवियर बार्टलेट, बेन ड्वारशुइस और मैथ्यू शॉर्ट को जून में बांग्लादेश में व्हाइट-बॉल सीरीज में खेलने के लिए कुछ ब्रेक दिया जा सकता है। एलेक्स कैरी, एडम जैम्पा और मार्नस लाबुशेन, जो हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में खेले थे, पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा हो सकते हैं। नाथन एलिस और मैथ्यू रेनशॉ भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बना सकते हैं। मार्च-अप्रैल 2022 के बाद वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का यह पहला पाकिस्तान दौरा है।

पैट कमिंस को रोकने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का बड़ा दांव, करोड़ों की मेगा डील तैयार

मेलबर्न, एजेंसी

फ्रेंचाइजी क्रिकेट के बढ़ते दबदबे के बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने स्टार खिलाड़ियों को इंटरनेशनल क्रिकेट से जोड़े रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया की वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस को करीब 12 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 82 करोड़ रुपये) की मेगा डील ऑफर की गई है, ताकि वह 2029 तक ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने को प्राथमिकता दें।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले साल एक आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) फ्रेंचाइजी ने पैट कमिंस और ट्रेविस हेड को करीब 10 मिलियन डॉलर का ऑफर दिया था। इस ऑफर का मकसद दोनों खिलाड़ियों को इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़कर फुल-टाइम फ्रेंचाइजी क्रिकेटर बनाना था। हालांकि, दोनों खिलाड़ियों ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया नहीं चाहता कि उसकी टीम भी वेस्टइंडीज जैसी स्थिति में पहुंचे, जहां कई स्टार खिलाड़ी फ्रेंचाइजी क्रिकेट की ओर चले गए और इंटरनेशनल टीम कमजोर पड़ती गई। इसी कारण बोर्ड अपने प्रमुख खिलाड़ियों को लंबी अवधि के हाई-वैल्यू कॉन्ट्रैक्ट देकर राष्ट्रीय टीम के साथ बनाए रखना चाहता है।

हेड-लाबुशेन से भी बातचीत जारी

रिपोर्ट के मुताबिक, नई डील के तहत पैट कमिंस को अगले तीन वर्षों तक हर साल करीब 4 मिलियन डॉलर (27।36 करोड़ रुपये) मिल सकते हैं। सिर्फ कमिंस ही नहीं, बल्कि ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन के साथ भी इसी तरह के समझौते पर बातचीत चल रही है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हेड ऑफ क्रिकेट जेम्स ऑलसॉप ने कहा, इन खिलाड़ियों ने लंबे समय तक ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वे बेहतर भुगतान और लंबे समय की सुरक्षा के हकदार हैं।

अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया को 21 टेस्ट मैच खेलने हैं। ऐसे में बोर्ड चाहता है कि उसके प्रमुख खिलाड़ी पूरी तरह फिट और उपलब्ध रहें। पैट कमिंस हाल ही में पीठ की चोट से उबर रहे हैं और टेस्ट कप्तान के रूप में बड़ी वापसी की तैयारी कर रहे हैं। फिलहाल पैट कमिंस और ट्रेविस हेड सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं। दोनों खिलाड़ियों ने टीम को पॉइंट्स टेबल में मजबूत स्थिति तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

अगर यह डील फाइनल होती है, तो पैट कमिंस भविष्य में बिग बैश लीग में कम ही नजर आ सकते हैं, क्योंकि बोर्ड उनके इंटरनेशनल वर्कलोड को प्राथमिकता देना चाहता है। फ्रेंचाइजी क्रिकेट और इंटरनेशनल क्रिकेट के बीच बढ़ती खींचतान के दौर में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। पैट कमिंस को दिया गया यह मेगा ऑफर सिर्फ एक कॉन्ट्रैक्ट नहीं, बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट की अहमियत बनाए रखने की बड़ी रणनीति भी मानी जा रही है।

सूर्यवंशी हो जाएंगे 21 साल की उम्र में रिटायर!

पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से तहलका मचाने वाले राजस्थान रॉयल्स के तूफानी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब दुनियाभर के क्रिकेट दिग्गजों की चर्चा का बड़ा विषय बन चुके हैं. महज 15 साल की उम्र में जिस तरह वैभव बड़े-बड़े गेंदबाजों पर हमला बोल रहे हैं, उसे देखकर पूर्व क्रिकेटर हैरान हैं। अब इंग्लैंड के कुछ दिग्गज खिलाड़ियों ने उनके भविष्य को लेकर मजाकिया अंदाज में बड़ी भविष्यवाणी कर दी है।

'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन, फिल टफनेल और एलिस्टेयर कुक और डेविड लॉयड आईपीएल और वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा कर रहे थे। बातचीत के दौरान वॉन ने वैभव के रिकॉर्ड्स का जिक्र करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में इस खिलाड़ी ने असाधारण प्रदर्शन किया है।

माइकल वॉन ने कहा कि आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक अभी क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 30 गेंदों में सेंचुरी लगाई थी, जबकि वैभव 35 गेंदों में शतक ठोक चुके हैं। वॉन ने यह भी बताया कि किसी एक आईपीएल सीजन में भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम है, जिन्होंने 2024 में 42 छक्के लगाए थे, जबकि वैभव इस सीजन में 37 छक्के जड़ चुके हैं।

इसके बाद एलिस्टेयर कुक ने वैभव की कीमत और भविष्य को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें बेहद कम उम्र में साइन किया था, लेकिन अगले ऑक्शन में उनकी कीमत कितनी होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। कुक ने मजाक में कहा कि अगर वैभव खुद दोबारा ऑक्शन में जाने की इच्छा जता दें तो क्या होगा?

टीम इंडिया के लिए खेलेंगे वैभव

माइकल वॉन ने साफ कहा कि राजस्थान रॉयल्स इतनी आसानी से वैभव को रिलीज नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वैभव जल्द ही भारत की सीनियर टीम में जगह बना सकते हैं और आयरलैंड दौरे पर उन्हें मौका मिलना चाहिए। इसी दौरान फिल टफनेल ने मजाकिया अंदाज में कहा कि जिस तेजी से वैभव आगे बढ़ रहे हैं, वह 21 साल की उम्र तक बर्नआउट हो सकते हैं। टफनेल के इस बयान पर माइकल वॉन ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि तब तक वैभव के पास इतना पैसा होगा कि वह आराम से रिटायरमेंट ले सकेंगे। वैभव सूर्यवंशी को लेकर यह चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। बर्नआउट लंबे समय तक काम के तनाव के कारण होने वाली शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक थकावट की स्थिति होती है।

प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए कैपिटल्स की जीत जरूरी

आईपीएल में आज दिल्ली और कोलकाता की भिड़ंत

नईदिल्ली, एजेंसी

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा।

दिल्ली के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा है। टीम 10 मैचों में 8 पॉइंट्स के साथ सातवें नंबर पर है। प्लेऑफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए उसे बाकी चारों मैच जीतने होंगे। वहीं, आठवें नंबर पर मौजूद केकेआर को अगले दौर में पहुंचने के लिए अपने सभी पांच मैच जीतने होंगे। दोनों टीमों के बीच अब तक 34 मैच खेले गए हैं। डीसी ने 14 और केकेआर ने 19 मैच जीते हैं। एक मैच टाई रहा, जिसे डीसी ने जीता। पिछले सीजन में दोनों के बीच खेले गए मुकाबले में कोलकाता जीता था।

दिल्ली का मैनेजमेंट अपनी बल्लेबाजी को लेकर चिंतित है। पिछले मैचों में जब भी पिच से गेंदबाजों को मदद मिली, दिल्ली का टॉप ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह ढह गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ टीम एक समय 9 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी। गुजरात टाइटंस के राशिद खान और चेन्नई के स्पिनर्स के सामने भी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए थे। ऐसे में टीम को लगता है कि सपाट पिच पर ही बल्लेबाज खुलकर रन बना पाएंगे। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने इस सीजन में 445 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 180 के करीब रहा है। वे टीम के टॉप रन स्कोरर हैं।

कुलदीप यादव का खराब सीजन, पेसर्स भी लुटा रहे रन

दिल्ली की गेंदबाजी इस सीजन में सबसे कमजोर कड़ी साबित हुई है। मुख्य स्पिनर कुलदीप यादव अपने करियर के खराब दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने 10 मैचों में सिर्फ 7 विकेट लिए हैं और 10 से ज्यादा की इकॉनमी से रन दिए हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, टी नटराजन और आकिब नबी डार का इकॉनमी रेट 11 से 13 के बीच है। कप्तान अक्षर पटेल (9 विकेट) को छोड़कर कोई भी गेंदबाज दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका है। अक्षर टीम के टॉप विकेट टेकर हैं।

केकेआर की ताकत स्पिन, लेकिन टॉप ऑर्डर सिरदर्द

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अच्छी बात यह है कि उनके स्पिनर्स लगातार विकेट निकाल रहे हैं। वरुण के नाम 10 और नरेन के नाम 9 विकेट हैं। हालांकि, कप्तान अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी की ओपनिंग जोड़ी टीम को उम्मीद के मुताबिक शुरुआत नहीं दे पा रही है। रिंकू सिंह को छोड़कर मिडिल ऑर्डर में भी निरंतरता की कमी रही है। च्यक्रको मैच जीतने के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेनी होगी। पिच पर आईपीएल के 101 मैच खेले गए हैं। इनमें 48 बार पहले बल्लेबाजी और 52 बार चेज करने वाली टीम जीती है। एक मैच रद्द हुआ। दिल्ली कैपिटल्स की टीम में केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, करुण नायर, ट्रिस्टन स्टब्स, नीतीश राणा, अक्षर पटेल (कप्तान), आशुतोष शर्मा, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन और समीर रिजवी रहेंगे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

33 साल बड़े एक्टर संग उर्वशी का रोमांस, ट्रोल हुए एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण, सपोर्ट में उतरीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इंटरनेट पर किसी ना किसी कारण से छाई रहती हैं. पिछले साल उन्होंने कई ऐसे बयान दिए, जिसे सुनकर सोशल मीडिया पर लोग हैरान दिखे। वहीं उन्होंने तेलुगू सिनेमा की फिल्म डाकू महाराज में अपने रोल से भी सुर्खियां बटोरीं। उर्वशी, फिल्म के हीरो और दिग्गज कलाकार नंदमुरी बालकृष्ण के साथ एक गाने दबिडी दिबिडी में दिखीं, जिसे काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा।

गाने में उर्वशी और नंदमुरी बालकृष्ण के डांस स्टेप्स देखकर लोगों का दिमाग हिल गया था। इसके अलावा एक्टर अपनी से आधी उम्र की हीरोइन के साथ रोमांस कर रहे थे। चूंकि नंदमुरी 65 साल के हैं, और उर्वशी 32 की हैं, इसलिए लोगों का गुस्सा और भी ज्यादा बढ़ गया था। अब उर्वशी ने अपने विवादित गाने और नंदमुरी बालकृष्ण के साथ काम करने पर पहली बार खुलकर बात की है। उर्वशी रौतेला का कहना है कि उन्हें नंदमुरी बालकृष्ण जैसे एक्टर के साथ काम करके काफी अच्छा महसूस हुआ। उनका ऑन सेट एक्सपीरियंस काफी शानदार था। वो खुद को लकी मानती हैं कि उन्हें तेलुगू स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। रेडियो नशा संग बातचीत में उर्वशी ने अपनी कॉन्ट्रोवर्सी पर कहा- मुझे नहीं पता... कभी-कभी एक चीज से दूसरी चीज को उठा लिया जाता है, फिर तीसरी, चौथी... ऐसे ही चलता रहा। उनके (नंदमुरी बालकृष्ण) साथ काम करना तो कमाल का था, सचमुच मजा आया। अगर आपने फिल्म देखी हो तो हमारे एक्शन सीन भी देखना, वो तो बहुत जोरदार थे। उर्वशी ने आगे नंदमुरी बालकृष्ण के स्टाइल पर भी बात की। अक्सर एक्टर प्रीमियर या इवेंट्स में अपना फोन या माइक हवा में उछालते हुए नजर आते हैं। एक्ट्रेस ने उनके स्टाइल की सराहना करते हुए कहा है कि वो बालकृष्ण के ऐसे कई वीडियोज पहले देख चुकी हैं और उन्हें ये देखना बड़ा मजेदार लगता है। उर्वशी का दावा है कि नंदमुरी बालकृष्ण के फैंस भी उनके स्टाइल को पसंद करते हैं। एक्ट्रेस ने आगे ये भी खुलासा किया कि पिछले साल नंदमुरी बालकृष्ण पहले इंसान थे जिन्होंने उन्हें वैलेंटाइन डे पर विश किया था। उर्वशी ने एक्टर के व्यवहार पर कहा, वो बहुत बच्चे जैसे हैं, मस्ती करने वाले बहुत मजाकिया इंसान हैं। वो तो बहुत बड़े सुपरस्टार हैं, और उनमें काफी एनर्जी है।

सरके चुनर... विवाद : संजय दत्त के बाद नोरा ने मांगी माफी बोलीं- भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था...

कन्नड़ मूवी केडी- द डेविल के गाने सरके चुनर... पर विवाद अभी तक नहीं थमा है। माफी और सफाई का सिलसिला अभी भी चल रहा है। नोरा फतेही राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के सामने पेश हुईं। अब इस मामले में नया अपडेट सामने आया है। एक्ट्रेस ने सुनवाई के दौरान इस आइटम सॉन्ग को करने के लिए आयोग को लिखित में माफीनामा दिया। नोरा ने बताया कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उनका कोई इरादा नहीं था। एक्ट्रेस ने बताया कि मैंने कमिशन के पास अपनी माफी सब्मिट कराई है। एक आर्टिस्ट होने के नाते मुझे जिम्मेदार होना पड़ेगा। मैंने कुछ अनाथ लड़कियों की पढ़ाई को स्पॉन्सर करने का फैसला किया है। इससे पहले 27 अप्रैल को संजय दत्त महिला आयोग के सामने पेश हुए थे। एक्टर ने भी अश्लील गाने में काम करने को लेकर माफी मांगी थी। संजय ने 50 आदिवासी लड़कियों को पढ़ाने का फैसला किया था।

अश्लील बोल पर नोरा का सजेस्टिव डांस : ये कंट्रोवर्सियल गाना नोरा फतेही और सजंय दत्त पर फिल्माया गया था। विवाद तब हुआ जब गाने का हिंदी वर्जन रिलीज किया गया। 16 मार्च को जैसे ही ये गाना आया, इंटरनेट पर भूचाल मच गया था। गाने के भद्दे और अश्लील लिरिक्स पर नोरा का फूहड़ डांस लोगों को हैरान कर गया था। इस गाने और मेकर्स को तो ट्रोल किया ही गया। पब्लिक ने नोरा और संजय की भी जमकर क्लास लगाई। यूजर्स ने गाने को पोर्न का टैग दे दिया था। नोरा की क्रेडिबिलिटी पर भी सवाल उठे। यूजर्स ने कहा- कैसे महिला होने के नाते नोरा ऐसा गाना कर सकती हैं। जिसमें महिलाओं को ही ऑब्जेक्टिफाई किया गया हो। सरके चुनर गाने को पब्लिक की ट्रोलिंग के बाद यूट्यूब से हटा लिया गया था। नोरा ने सफाई देते हुए कहा था कि मेकर्स ने उन्हें बताए बिना गाने का हिंदी वर्जन रिलीज किया है।

मेट्रो बाजार

वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए सबसे अच्छे अवसर मौजूद : वॉलमार्ट प्रेसिडेंट

नईदिल्ली, एजेंसी

वॉलमार्ट के प्रेसिडेंट और सीईओ जॉन फर्नर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत में व्यापार के लिए सबसे अच्छे अवसर मौजूद हैं। साथ ही, कहा कि कंपनी भारत से 40 अरब डॉलर से अधिक का सामान खरीद रही है। फर्नेर ने कहा कि कंपनी उद्यमियों और आपूर्तिकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने, अनुपालन और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है ताकि अधिक से अधिक भारतीय व्यवसाय निर्यात के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने यहां वॉलमार्ट ग्रोथ समिट-इंडिया 2026 के दूसरे संस्करण के दौरान कहा, यह प्रयास आर्थिक अवसरों का विस्तार कर रहा है और भारत में इनोवेटिव व्यवसायों को दुनिया भर के ग्राहकों से जोड़ रहा है। वॉलमार्ट के वृद्धि आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम ने घोषणा की है कि 2019 में शुरू होने के बाद से इसने देशभर में 115,000 से अधिक लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रशिक्षित किया है, जिससे उन्हें डिजिटल क्षमताएं, महत्वपूर्ण व्यावसायिक कौशल और नए बाजारों तक पहुंच प्राप्त हुई है। 2028 तक कुल 170,000 एमएसएमई को समर्थन देने की योजना के साथ, यह कार्यक्रम उन एमएसएमई की संख्या को लगातार बढ़ा रहा है जो नए बाजारों में निर्यात करने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। इस कार्यक्रम में, वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट के प्रमुखों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारतीय व्यवसायों की बढ़ती भूमिका और स्थानीय साझेदारी को मजबूत करने और क्षमता निर्माण प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। फ्लिपकार्ट ग्रुप के ग्रुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा, फ्लिपकार्ट ग्रुप में हमने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे प्रौद्योगिकी और डिजिटल वाणिज्य भारत भर में लाखों छोटे व्यवसायों, उद्यमियों, कारीगरों और स्थानीय समुदायों के लिए अवसरों के द्वार खोल सकते हैं।

भारत एआई के चलते टेक्नोलॉजी पर खर्च में अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ देगा: रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय कंपनियों के टेक्नोलॉजी पर खर्च में 2026 में करीब 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है, इसमें से 40-45 प्रतिशत एआई और टेक ट्रांसफॉरमेशन से जुड़ा होने की उम्मीद है। यह जानकारी जारी रिपोर्ट में दी गई। बेन एंड कंपनी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में आईटी खर्च में वृद्धि वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के लिए अनुमानित 4-6 प्रतिशत वृद्धि से कहीं अधिक रहने की उम्मीद है। पिछले 12-18 महीनों में खर्च में तेजी आई है और अगले 2-3 वर्षों तक यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जो संरचनात्मक रूप से मजबूत निवेश चक्र को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय उद्यम अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा दीर्घकालिक क्षमता निर्माण, विशेष रूप से एआई प्लेटफॉर्म और डेटा आधुनिकीकरण के लिए आवंटित कर रहे हैं। भारत में टेक्नोलॉजी बजट का 50-60 प्रतिशत पूंजीगत व्यय होता है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह 20-30 प्रतिशत है। भारतीय कंपनियों के पूंजीगत व्यय का 30 प्रतिशत हिस्सा एआई प्लेटफॉर्म और डेटा आधुनिकीकरण पर खर्च किया गया। आधुनिकीकरण (25 प्रतिशत), क्लाउड और आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर (25 प्रतिशत) और साइबर सुरक्षा (20 प्रतिशत) प्रमुख है, जो मूलभूत क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है।

न्यूज ट्रेक

कलेक्टर व एसपी ने ट्रैक्टर-ट्रॉली पर लगाए रेडियम रिफ्लेक्टर

नर्मदापुरम। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए जिला प्रशासन ने प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत अभिनव कदम उठाया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने गुरुवार को कृषि उपज मंडी नर्मदापुरम में उपार्जन कार्य में लगे ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, एसडीएम जय सोलंकी, तहसीलदार सरिता मालवीय सहित अधिकारी-जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कलेक्टर मिश्रा ने बताया कि रात के अंधेरे में ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे संकेतक न होने से हाईवे पर तेज रफ्तार वाहन चालक इन्हें न देख पाते हैं, जिससे भयानक हादसे होते हैं। उपार्जन सीजन में मंडी में बड़ी संख्या में ये वाहन आ रहे हैं, इसलिए मंडी स्तर पर ही रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं। इससे वाहन दूर से दिखेंगे और दुर्घटनाएं रुकेंगी। प्रोजेक्ट सुरक्षा में पुलिस व कृषि विभाग का समन्वय है। कलेक्टर ने कहा कि इसमें सीपीआर प्रशिक्षण, हेलमेट जागरूकता व सीट बेल्ट अनिवार्यता पर जोर दिया जा रहा है। दोपहिया चालकों को हेलमेट न पहनने से मौत का खतरा बढ़ता है, इसलिए यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

आंधी और बारिश से जनजीवन को प्रभावित, हजारों मीट्रिक टन गेहूं अब खराब होने की कगार पर

खुले में रखा 15 हजार मीट्रिक टन अनाज भीग रहा, उठाव न होने से 42 करोड़ का भुगतान अटका

छतरपुर

जिले में इस वर्ष गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया किसानों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। परिवहन में बरती जा रही घोर लापरवाही के कारण उपार्जन केंद्रों पर अनाज की सुरक्षा भगवान भरोसे है। आंधी और बारिश ने न केवल जनजीवन को प्रभावित किया है, बल्कि केंद्रों पर खुले में पड़ा हजारों मीट्रिक टन गेहूं अब खराब होने की कगार पर पहुंच गया है। विभागीय सुस्ती का आलम यह है कि अनाज का उठाव समय पर न होने के कारण किसानों के भुगतान की प्रक्रिया भी पूरी तरह ठप पड़ गई है।

जिले में संचालित 80 गेहूं खरीदी केंद्रों पर अब तक कुल 53009.41 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें से केवल 37,984.19 मीट्रिक टन गेहूं का ही परिवहन हो सका है। शेष 15,025.33 मीट्रिक टन गेहूं आज भी उपार्जन केंद्रों पर खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। बारिश की आशंका के बीच केंद्रों पर सुरक्षा के कोई पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिससे शासन को करोड़ों के नुकसान का डर सता रहा है।

परिवहन न होने का सीधा असर किसानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ा है। नियमानुसार परिवहन के बाद ही भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ती है, लेकिन उठाव न होने से भुगतान अटक गया है। अब तक 70 करोड़ 66 लाख रुपए की राशि भुगतान के लिए स्वीकृत की जा चुकी है। स्वीकृत राशि के विरुद्ध मात्र 27 करोड़ 80 लाख रुपए का ही भुगतान किसानों को मिल पाया है।शेष राशि गेहूं बेचने के बाद भी जिले के किसानों का लगभग 42 करोड़ 86 लाख रुपए का भुगतान अब भी विभाग के पास लंबित है। इधर, समितियों के स्तर पर भी करीब 9 करोड़ 58 लाख रुपये के ईपीओ पेंडिंग पड़े हुए हैं।

35 हजार में से केवल 11 हजार किसान ही पहुंचे केंद्रों पर

इस साल उपार्जन केंद्रों पर गेहूं बेचने वाले किसानों की संख्या में भी भारी गिरावट देखी गई है। जिले में कुल 35,141 किसानों ने गेहूं बेचने के लिए पंजीयन कराया था। इनमें से अब तक मात्र 11,297 किसान ही अपनी फसल लेकर केंद्रों पर पहुंचे हैं। करीब 23,844 पंजीकृत किसान अभी भी केंद्रों से नदारद हैं। जानकारों का मानना है कि इस बार गेहूं खरीदी देरी से शुरू हुई, जिसके कारण किसानों ने केंद्रों की अव्यवस्था और लंबी प्रक्रिया से बचने के लिए खुले बाजार में अपनी उपज बेचना ज्यादा उचित समझा।

पुरानी रंजिश में रायपुर में खूनी संघर्ष, 10 लोग घायल

मुरैना

महुआ थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में पुरानी रंजिश के चलते मंगलवार सुबह हिंसक रूप ले लिया। गांव के मंदिर के पास दो पक्ष आमने-सामने आ गए और गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडे व पत्थर से एक दूसरे पर हमला कर दिया। हमले में दोनों पक्षों के 10 लोग घायल हुए, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं झगड़े के बाद गांव में तनाव का माहौल है, इसलिए पुलिस तैनात रही।

पुलिस के अनुसार, विवाद की जड़ पुरानी अदावत है। तीखी बहस के बाद मारपीट शुरू हुई। एक पक्ष के जैकी उर्फ जितेंद्र तोमर ने विरोधी पक्ष पर रास्ता रोकने, गाली-गलौज और हमला करने का आरोप लगाया। वहीं दूसरे पक्ष के जीतू उर्फ जितेंद्र तोमर ने भी मारपीट व लाठी से हमला करने का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों के लोगों के सिर, हाथ-पैरों में चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति नियंत्रित की। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रायपुर गांव में दो पक्षों के बीच चली लाठियां व पथराव का वीडियो सोशल

मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में बड़ी संख्या में दोनों तरफ से महिला पुरुषों की भीड़ पथराव करते नजर आ रही है। वहीं कुछ महिला पुरुष घायल अवस्था में दिखाई दे रहे हैं। रायपुर गांव में दो पक्षों के बीच चली लाठी व हुए पथराव के बाद तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। यहां तक गांव को पुलिस छाबनी में तब्दील कर दिया है। दो दिन से गांव में पुलिस इसलिए तैनात है कि विवाद फिर नहीं हो जाए क्योंकि दोनों ही पक्ष के लोग घायल हुए हैं, इसलिए आक्रोश अभी थमा नहीं हैं।

होटल में प्रेमिका संग रंगीन था डॉक्टर पति अचानक पत्नी ने किया 'धप्पा', हुआ बवाल

मंदसौर

नगर में बुधवार-गुरूवार की रात एक होटल में हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। यहां बर्थडे के बहाने से घर निकले डॉक्टर पति को उसकी पत्नी ने प्रेमिका के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया। इस मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि परिवार सहित पत्नी ने होटल कमरे में धावा बोल दिया और पति से मारपीट भी की। मंदसौर में आधी रात को होटल में पति पत्नी ओर वो को लेकर हंगामा देखने को मिला। दरअसल, शहर के प्रैक्टिसिंग डॉक्टर जुल्फीकार शामगढ़ से मंदसौर नाहटा चौराहा स्थित समता होटल के एक कमरे पर में रुका हुआ था। वह यहां अपनी प्रेमिका के साथ ठहरा हुआ था। तभी आधी रात को कमरे के दरवाजे पर दस्तक हुई। डॉक्टर पति ने जैसे ही दरवाजा खोला उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। डॉक्टर के सामने उसकी पत्नी खड़ी हुई थी। यही नहीं, पत्नी अपने साथ परिजन भी साथ लाई थी। पत्नी जैसे पति को धक्का देकर कमरे में पहुंची उसके होश उड़ गए। कमरे के बिस्तर पर एक अन्य महिला बैठी हुई थी। यह देख पत्नी को इतना गुस्सा आया कि उसने सीधा पति की पिटाई करना शुरू कर दी। परिजनों में शामिल अन्य महिलाएं भी प्रेमिका के बाल पकड़कर उसे बेरहमी से पीटने लगे। परिजनों ने भी डॉक्टर को जमकर खरी-खोटी सुनाई। होटल के कमरे में काफी देर तक चीख-पुकार और बहस होती रही। शोर सुनकर होटल स्टाफ और आसपास के लोग भी जमा हो गए। चीख-पुकार सुन होटल के अन्य कमरों से भी लोग बाहर आकर देखने लगे। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया है।

डॉक्टर की पत्नी ने बताया कि पति बर्थडे के नाम पर घर से बाहर निकला था। वह अपनी कथित प्रेमिका के साथ एक होटल में ठहरने वाला है जिसकी भनक उसे पहले ही लग गई थी। पत्नी ने आरोप लगाया कि डॉक्टर उसे धोखे में रखकर लंबे समय से इस महिला से मिल रहा है। हालांकि, इस हंगामे के बाद डॉक्टर और उसकी पत्नी वहां से चले गए लेकिन इस पूरे बवाल का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बता दें कि, इस पूरे मामले में अभी तक पुलिस की दखल या किसी औपचारिक शिकायत की पुष्टि नहीं हुई है।

जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे जिला पंचायत सदस्य

खंडवा। मीडिया ने जिला पंचायत की स्थाई समितियों के सभापतियों से जानकारी ली तो स्थाई समितियों की बैठक को लेकर कोई 10 माह तो किसी को पता ही नहीं की अंतिम बैठक कब हुई, यही नहीं महिला सदस्य ने कहा शिक्षा समिति की बैठक आज तक नहीं बुलाई गई। जिला पंचायत सदस्यों को जनता ने क्षेत्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने चुनकर पंचायत की सदन में भेजा है। लेकिन सदस्य जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। जनता को उम्मीद थी कि हमारे सदस्य गांव में समग्र विकास स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी, सड़क जैसे विकास कार्यों का ढांचा सुनिश्चित करेंगे। सरकारी योजनाओं को गांव तक पहुंचाएंगे। अधिकारियों से योजनाओं की क्रियान्वयन के लिए चर्चा करेंगे। लेकिन जब बैठकें ही एक-एक साल से नहीं हो रही है तो विकास कार्यों के क्रियान्वयन पर चर्चा क्या खाक करेंगे। जिला पंचायत की अधिकांश बैठकें हंगामा की भेंट चढ़ गईं हैं। कुछ बैठकों को छोड़ दे तो अधिकतर बैठकें सिर्फ खानापूर्ति तक सीमित रहीं। स्थाई समितियों की बैठकें तो भगवान भरोसे हैं। अधिकतर समितियों की बैठकें एक साल से नहीं हो रहीं हैं। जबकि नियम है कि स्थाई समितियों की बैठकें हर माह 15 तारीख को अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति पर खंड स्तरीय समीक्षा बैठक में की चर्चा

गंजबासौदा। जनपद सभा कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति को लेकर खंड स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार के निर्देशानुसार जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. हेमंत पंचोली एवं जिला प्रोग्राम मैनेजर द्वारा आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रमेन्द्र तिवारी, खंड विस्तार अधिकारी बी.एस. दांगी, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर कपिल कांत जैन एवं बीसीएम सुश्री मधु रामपुरी सहित स्वास्थ्य विभाग के आशा सुपरवाइजर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, कोल्ड चेन हैंडलर, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सीएचओ, सेक्टर सुपरवाइजर एवं आरबीएसके टीम के सदस्य उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, चार अनिवार्य जांचें, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन, संस्थागत प्रसव, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, टीकाकरण, नवजात शिशुओं की एचबीएनसी जांच तथा ऑनलाइन रिपोर्टिंग एवं डाटा एंट्री की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिन कर्मचारियों एवं क्षेत्रों का कार्य लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाया गया, उन्हें शीघ्र लंबित कार्य पूर्ण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं समय पर ऑनलाइन रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

नपाध्यक्ष और सीएमओ ने की जनसुनवाई

पेंशन स्वीकृत होने पर खुश हुई दिव्यांग महिला

पेयजल समस्या का समाधान कराने इंजीनियर और ठेकेदार को किया तलब

नर्मदापुरम

जनसुनवाई में लगातार नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा करीब 15 से अधिक आवेदनों पर सुनवाई की गई। जिसमें अधिकांश आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई की साथ ही जांच योग्य आवेदनों को संबंधित शाखा प्रभारी को दिए गए। पेंशन स्वीकृत होने पर वार्ड 16 की दिव्यांग महिला खुशी खुशी घर लौटी।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर लगातार जनसुनवाई की शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। करीब 15 से अधिक समस्याएं आई। जिसमें मृत्यु सर्टिफिकेट, दिव्यांग पेंशन, पीएम आवास हेतु आवेदन, पेयजल संबंधी, नाली निर्माण आदि के आवेदन आए। जिसमें से अधिकांश आवेदनों का

तत्काल ही निराकरण कर दिया गया। जांच योग्य आवेदनों को संबंधित शाखा को भेजकर जल्द से जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान पार्षदगण, पार्षदप्रतिनिधिगण, एल्डरमेन, उपयंत्री आयुषी रिछारिया, दीक्षा तिवारी, रीना गुप्ता सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

वार्ड नंबर 16 की दिव्यांग महिला देवकी यादव द्वारा पहले आवेदन दिया गया था। लेकिन उसे पता नहीं था कि उसकी दिव्यांग पेंशन चालू हो गई है। आज जनसुनवाई में वह दिव्यांग पेंशन के लिए आवेदन लेकर आई तो उसकी जांच कराई गई। तब पता चला कि उसकी पेंशन चालू हो गई। यह जानकारी लगते ही देवकी यादव के खुशी से आंसू छलक पड़े और उन्होंने नपाध्यक्ष एवं सीएमओ को धन्यवाद दिया। जनसुनवाई में वार्ड 31 के पार्षद नरेंद्र पटेल द्वारा पेयजल समस्या के समाधान के लिए पाइप लाइन बिछाने का आवेदन दिया था, पाइप लाइन स्वीकृत भी हो चुकी थी। आज जनसुनवाई के दौरान पार्षद श्री पटेल द्वारा अपनी बात रखी गई जिस पर तत्काल प्रभाव से नपाध्यक्ष श्रीमती यादव एवं सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा ठेकेदार और इंजीनियर को तलब किया गया।

अपना बकाया टैक्स जमा कर नगर विकास में योगदान दें

नर्मदापुरम

नगरपालिका परिसर में 9 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नागरिक अपने समस्त प्रकार के बकाया करों का एकमुश्त भुगतान कर नेशनल लोक अदालत में मिलने वाली छूट का लाभ ले सकेंगे। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगरपालिका परिसर कार्यालय में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियां जोरों पर चल रही है। वाहनों के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव एवं सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा नागरिकों से आग्रह किया गया कि वे अपने समस्त प्रकार के बकाया करों का भुगतान कर नेशनल लोक अदालत में मिलने वाली छूट का लाभ लें। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि आपके द्वारा जमा किए गए करों के माध्यम से ही नगर विकास संभव हो पाता है। इसलिए नेशनल लोक अदालत का लाभ लें और अधिभार में छूट पाएं।

धार वन विभाग ने प्रदेश का पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया , 8800 मानव-घंटे बचाने का लक्ष्य

कार्य होंगे तेज, सरल और स्मार्ट, डिजिटल सुशासन की दिशा में बड़ा कदम

धार

मध्यप्रदेश का धार वन मंडल अब तकनीकी आधुनिकता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिजिटल इंडिया परिकल्पना और मुख्यमंत्री के द्व आधारित सुशासन के विजन को आगे बढ़ाते हुए धार वन विभाग ने प्रदेश का पहला "AI Fluency & Efficiency Enhancement Program" आयोजित किया। चार दिवसीय इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर राजीव रंजन मीणा एवं वन मंडल अधिकारी विजयानंथम टी.आर के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में वन विभाग के 40 कर्मचारियों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सरकारी कार्यप्रणाली को अधिक तेज, सरल, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना था। प्रतिभागियों को आधुनिक AI टूल्स के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे

वे दैनिक प्रशासनिक कार्यों को अधिक दक्षता के साथ कर सकें।

प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को ChatGPT, Google Gemini, Bhashini, Google Workspace, Gamma ÌÍæ Google AI Studio जैसे अत्याधुनिक AI प्लेटफॉर्म्स का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही शासकीय पत्राचार की ड्राफ्टिंग, फाइल नोटिंग, मीटिंग मिनट्स तैयार करना, डेटा विश्लेषण, एक्सेल ऑटोमेशन और रिपोर्ट निर्माण जैसे कार्यों का लाइव प्रैक्टिकल अभ्यास भी कराया गया। वन विभाग के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, इस AI पहल से प्रतिवर्ष लगभग 8800 मानव-घंटों की बचत होने की संभावना है। इससे अधिकारी और कर्मचारी अपना अधिक समय जनसुनवाई, वन संरक्षण और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान में दे सकेंगे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए वन मंडल अधिकारी विजयानंथम टी.आर. ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शासकीय कार्यप्रणाली की उत्पादकता बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन इसका उपयोग पूर्णतः सुरक्षित, नैतिक और जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए।

धार वन मंडल की यह पहल न केवल मध्यप्रदेश वन विभाग के लिए बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में ऐसे द्व आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विभागों में भी लागू किए जा सकते हैं, जिससे सरकारी कार्यप्रणाली अधिक स्मार्ट और नागरिक-केंद्रित बन सकेगी।

मुद्रक ,प्रकाशक एवं प्रबंध **संपादक रश्मि तिवारी** द्वारा प्रदेश सत्ता प्रिन्टर्स, म. न 2 लाला लाजपत राय कॉलोनी रायसेन रोड जिला- भोपाल (म.प्र.) तथा 7/4 अंजली कैंपेलेक्स, टी टी नगर जिला- भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक- राकेश कुमार (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)